■ मार्गशीर्ष कृष्णा - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 117 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 22-11-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कप्तानी को एक पद नहीं, जिम्मेदारी के रूप में देखता हूं : बुमराह

6 कातिल सड़कों पर तबाह होता जीवन एक गंभीर चुनौती

7 जब तक अटकलों की पुष्टि ना हो वे झूठी होती हैं : अमिताभ

# गौतम अदाणी पर भारतीय अधिकारियों को 2,200 करोड़ रुपए की रिश्वत देने का आरोप

**अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने में कथित तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया है।**

- अदाणी ने 2021 और 2022 में सरकारी अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें सेकी के साथ बिजली बिक्री समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए रिश्वत की पेशकश की।
- आंध्र प्रदेश राज्य सरकार के एक अधिकारी को 25 लाख रुपए प्रति मेगावाट का भुगतान किया गया था।
- अदाणी समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया और उन्हें निराधार बताया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**न्यूयॉर्क/नई दिल्ली/भाषा।** उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर (लगभग 2,200 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने में कथित तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया है।

अमेरिकी न्याय विभाग ने भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अदाणी तथा उनके भतीजे सागर अदाणी सहित सात अन्य पर महंगी सौर ऊर्जा खरीदने के लिए आंध्र प्रदेश और ओडिशा के अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इसमें अधिकारियों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। इन परियोजनाओं से समूह को 20 साल से अधिक समय में दो अरब डॉलर से अधिक लाभ होने का अनुमान है।

अभियोजकों ने कहा कि अमेरिका ने 2022 में एक जांच शुरू की। उन्होंने आरोप लगाया कि समूह ने कंपनी की रिश्वत विरोधी गतिविधियों और नीतियों के बारे में गलत और भ्रामक जानकारी देकर अमेरिकी कंपनियों सहित अन्य से कर्ज और बॉण्ड के जरिये दो अरब डॉलर जुटाए। साथ ही समूह ने रिश्वत को लेकर जांच के बारे में सही जानकारी नहीं दी।

अमेरिकी कानून अपने निवेशकों या बाजारों से जुड़े मामलों में विदेशों में भ्रष्टाचार के आरोपों को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है।

इस बीच, अदाणी समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया और उन्हें निराधार बताया है।

आरोपों के अनुसार, अदाणी समूह की हरित ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी ने सार्वजनिक क्षेत्र की सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) द्वारा आमंत्रित बोलियों में 2021 में 8,000 मेगावाट बिजली की आपूर्ति के लिए बोली जीती थी। इस निविदा में नई दिल्ली की एज्योर पावर ने चार गीगावाट की आपूर्ति के लिए बोली जीती थी। एज्योर पावर के साथ-साथ कनाडा के सार्वजनिक पेंशन कोष सीडीपीक्यू के अधिकारियों का भी मामले में नाम है।

अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, सेकी, अदाणी और एज्योर के साथ अनुबंधित कीमतों पर बिजली के लिए खरीदार तलाशने में असफल रही। अदाणी ने 2021 और 2022 में सरकारी अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें सेकी के साथ बिजली बिक्री समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए रिश्वत की पेशकश की। रिश्वत के वादे के बाद, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ में बिजली वितरण कंपनियों ने सेकी के साथ समझौता किया।

## तत्काल गिरफ्तार कर पूछताछ की जाए : राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला और कहा कि यहां अदाणी को तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

## फर्स्ट टेक

### अरमान मलिक ने 'रोस्ट वीडियो' बनाने वाले को पीटा, पुलिस ने चेतावनी देकर छोड़ा

**हरिद्वार/भाषा।** उत्तारखंड के हरिद्वार में बिग बॉस रियलिटी शो में प्रतिभागी रहे यूट्यूबर अरमान मलिक ने सौरभ नाम के एक युवक को उसके ही घर में घुसकर कथित तौर पर पीटा। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, सौरभ ने अरमान पर एक रोस्ट वीडियो बनाकर अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया था। पुलिस ने हालांकि दोनों पक्षों के बीच समझौता करवाया और मलिक को कड़ी हिदायत देकर छोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, बुधवार देर रात मलिक कुछ युवकों के साथ हरिद्वार के ज्वालापुर क्षेत्र के खन्नानगर स्थित यूट्यूबर सौरभ के घर पहुंचे और उससे कथित तौर पर मारपीट की।

### नवी मुंबई हवाई अड्डे के पास 'अनधिकृत' दरगाह को सिडको ने ध्वस्त किया

**ठाणे/भाषा।** नवी मुंबई में बहुप्रतीक्षित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास कथित रूप से अवैध तौर पर बने दरगाह को बृहस्पतिवार को ध्वस्त कर दिया गया। शहर एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह संरचना राज्य योजना प्राधिकरण, सिडको की भूमि पर स्थित है और 2011 से इसमें कई बार अवैध निर्माण हुए हैं। सिडको के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हमने जांच शुरू की और दरगाह के मुतवल्ली ('ट्रस्टी') उसके स्वामित्व के लिए वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद अदालत के आदेश पर ढांचे को ध्वस्त कर दिया गया।'' हिंदू जनजागृति समिति के महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के समन्वयक सुनील घनवट ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि यह दरगाह के खिलाफ किए गए उनके अभियान की जीत है।

### संगीतकार ए आर रहमान ने 'हॉलीवुड म्यूजिक इन मीडिया' में पुरस्कार जीता

**नई दिल्ली/भाषा।** दिग्गज संगीतकार ए आर रहमान को मलयालम फिल्म 'द गोट लाइफ' के संगीत के लिए 'हॉलीवुड म्यूजिक इन मीडिया अवार्ड्स (एचएमएमए)-2024' में 'ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया है। ऑस्कर पुरस्कार विजेता संगीतकार को बुधवार को लॉस एंजिल्स के एवलॉन थिएटर में आयोजित एक समारोह में संगीत - स्वतंत्र फिल्म (विदेशी भाषा) श्रेणी में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत फिल्म 'द गोट लाइफ' के निर्देशक ब्लेसी ने समारोह में रहमान की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया।

वैश्विक कल्याण के लिए 'लोकतंत्र प्रथम, मानवता प्रथम' का मंत्र देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा

# 'विस्तारवादी मानसिकता' के साथ भारत कभी भी आगे नहीं बढ़ा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**जॉर्जटाउन/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत कभी भी ''विस्तारवादी मानसिकता'' के साथ आगे नहीं बढ़ा है और दूसरों के संसाधनों को हड़पने की भावना से हमेशा दूर रहा है। गुयाना की संसद के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब चीन के विस्तारवादी व्यवहार तथा क्षेत्रीय विवादों से उत्पन्न संघर्षों को लेकर दुनिया में चिंता बढ़ रही है।

भू-राजनीतिक तनावों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यह संघर्ष पैदा करने वाले स्थितियों की पहचान करने और उन्हें दूर करने का समय है। उन्होंने कहा, ''आज आतंकवाद, ड्रग्स, साइबर अपराध जैसी कई चुनौतियां हैं, जिनसे लड़कर ही हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संवार पाएंगे।'' मोदी ने कहा, ''और यह तभी संभव है जब हम लोकतंत्र को प्राथमिकता दें - मानवता को प्राथमिकता दें। भारत ने हमेशा सिद्धांतों, विश्वास और पारदर्शिता के आधार पर बात की है।''

वैश्विक कल्याण के लिए 'लोकतंत्र प्रथम, मानवता प्रथम' का मंत्र देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष और समुद्र सार्वभौमिक संघर्ष का नहीं, बल्कि ''सार्वभौमिक सहयोग'' के विषय होने चाहिए।

तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में गुयाना पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी 50 से अधिक वर्षों में इस देश का दौरा करने वाले पहले भारतीय शासनाध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा, ''दुनिया के आगे बढ़ने के लिए सबसे बड़ा मंत्र है 'लोकतंत्र प्रथम, मानवता प्रथम'। लोकतंत्र की भावना सबसे पहले हमें सबको साथ लेकर चलना और सबके विकास में भाग लेना सिखाती है।

## गुयाना, डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को प्रदान किया देश का शीर्ष पुरस्कार

**जॉर्जटाउन (गुयाना)/भाषा।** गुयाना और डोमिनिका ने कोविड-19 महामारी के दौरान दोनों कैरेबियाई राष्ट्रों को दी गई मदद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान और दोनों देशों के साथ द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने के उनके प्रयासों के लिए मोदी को देश के शीर्ष पुरस्कारों से सम्मानित किया है। प्रधानमंत्री अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में गुयाना में हैं। उन्हें बुधवार को गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुझे गुयाना का सर्वोच्च सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली का हार्दिक धन्यवाद। यह भारत के 140 करोड़ लोगों के लिए है।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने जारी किया

## नेतन्याहू, हमास अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

**हेग/एपी।** अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने बृहस्पतिवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, पूर्व रक्षा मंत्री और हमास के अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। वारंट में उन पर गाजा में युद्ध और अक्टूबर 2023 के हमलों को लेकर युद्ध अपराध व मानवता के खिलाफ अपराध का आरोप लगाया गया है।

अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हमले के बाद फलस्तीनी क्षेत्र में इजराइल ने हमले शुरू किये थे, जिसके बाद हमास के कई अधिकारी मारे गए हैं।

आईसीसी के इस निर्णय से नेतन्याहू और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वांछित संदिग्ध बन गए हैं तथा इससे उनके अलग-थलग पड़ने एवं 13 महीने से जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम पर बातचीत करने के प्रयासों में जटिलता आने की आशंका है। हालांकि, इसके व्यावहारिक प्रभाव सीमित हो सकते हैं क्योंकि इजराइल और उसका प्रमुख सहयोगी अमेरिका, आईसीसी के सदस्य नहीं हैं।

नेतन्याहू और अन्य इजराइली नेताओं ने आईसीसी के मुख्य अभियोजक करीम खान के वारंट के अनुरोध की निंदा करते हुए इसे अपमानजनक और यहूदी विरोधी बताया है।

## कर्नाटक में चार अधिकारियों के परिसरों पर लोकायुक्त का छापा

**बेंगलूरु/भाषा।** कर्नाटक में लोकायुक्त पुलिस ने आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति (डीए) से जुड़े मामलों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में चार सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर बृहस्पतिवार को छापेमारी की। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, छापेमारी के दौरान पाया गया कि आरोपी अधिकारियों ने आय के ज्ञात स्त्रोतों से 26.66 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति अर्जित की थी। बयान के अनुसार, कर्नाटक में 22 से अधिक जगहों पर आरोपी अधिकारियों के आवास, कार्यलयों और उनके रिश्तेदारों के घरों पर तलाशी ली गई। इसमें कहा गया है कि छापेमारी की यह कार्रवाई बेंगलुरु, मांड्या और चिक्काबल्लापुरा के लोकायुक्त पुलिस थानों में दर्ज डीए मामलों से संबंधित है।

# शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के बौद्ध सिद्धांतों को अपनाना आवश्यक है : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ रक्षा मंत्री ने लाओस की राजधानी विएंतियान में 10 देशों के संगठन आसियान समूह और उसके कुछ वार्ता साझेदारों के सम्मेलन में यह टिप्पणी

**नई दिल्ली/भाषा।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को लाओस में क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन में कहा कि दुनिया को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समक्ष जारी संघर्षों और चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए बौद्ध सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। उन्होंने सम्मेलन में चीन के डोंग जून सहित कई देशों के उनके समकक्षों की उपस्थिति में कहा कि भारत ने जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए हमेशा से संवाद की वकालत की है तथा सीमा विवादों से लेकर व्यापार समझौतों तक, अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों की एक विस्तृत शृंखला को लेकर अपना दृष्टिकोण जाहिर किया है।

रक्षा मंत्री ने लाओस की राजधानी विएंतियान में 10 देशों के संगठन आसियान समूह और उसके कुछ वार्ता साझेदारों के सम्मेलन में ये टिप्पणी की। उन्होंने कहा, विश्व तेजी से गुटों और खेमों में बंटता जा रहा है, जिससे स्थापित विश्व व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। इसलिए समय आ गया है कि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के बौद्ध सिद्धांतों को सभी लोग और अधिक गहराई से अपनाएं। उन्होंने कहा, इन सिद्धांतों का पालन करते हुए भारत ने जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए सदैव बातचीत की वकालत की है और इसे अपनाया भी है।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि खुले संवाद और शांतिपूर्ण वार्ता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता, सीमा विवादों सहित कई अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के प्रति उसके दृष्टिकोण से स्पष्ट होती है। उन्होंने आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ) रक्षा मंत्रियों की बैठक आसियान डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग प्लस (एडीएमएम-प्लस) समूह के सम्मेलन में कहा, खुली बातचीत विश्वास, समझ और सहयोग को बढ़ावा देती है तथा स्थायी साझेदारी की नींव रखती है।

| | |
|---|---|
| 22-11-2024 सूर्यास्त 5:39 बजे | 23-11-2024 सूर्योदय 6:11 बजे |
| BSE 77,155.79 (-422.59) | NSE 23,349.90 (-168.60) |
| सोना 8,110 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 102,000 रु. प्रति किलो |

## मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### मोदी-ट्रम्प

लो बढ़ी अचानक मौसम में,
बर्फानी ठिठुराती सर्दी।
खेतों में फिर भी है किसान,
सीमा पर डटी हुई वर्दी।
सब दुबके अपने दड़बों में,
आशिक घूमे बन कर दर्दी।
उत्तर भारत सब धूज रहा,
मौसम ने की गुण्डागर्दी।।

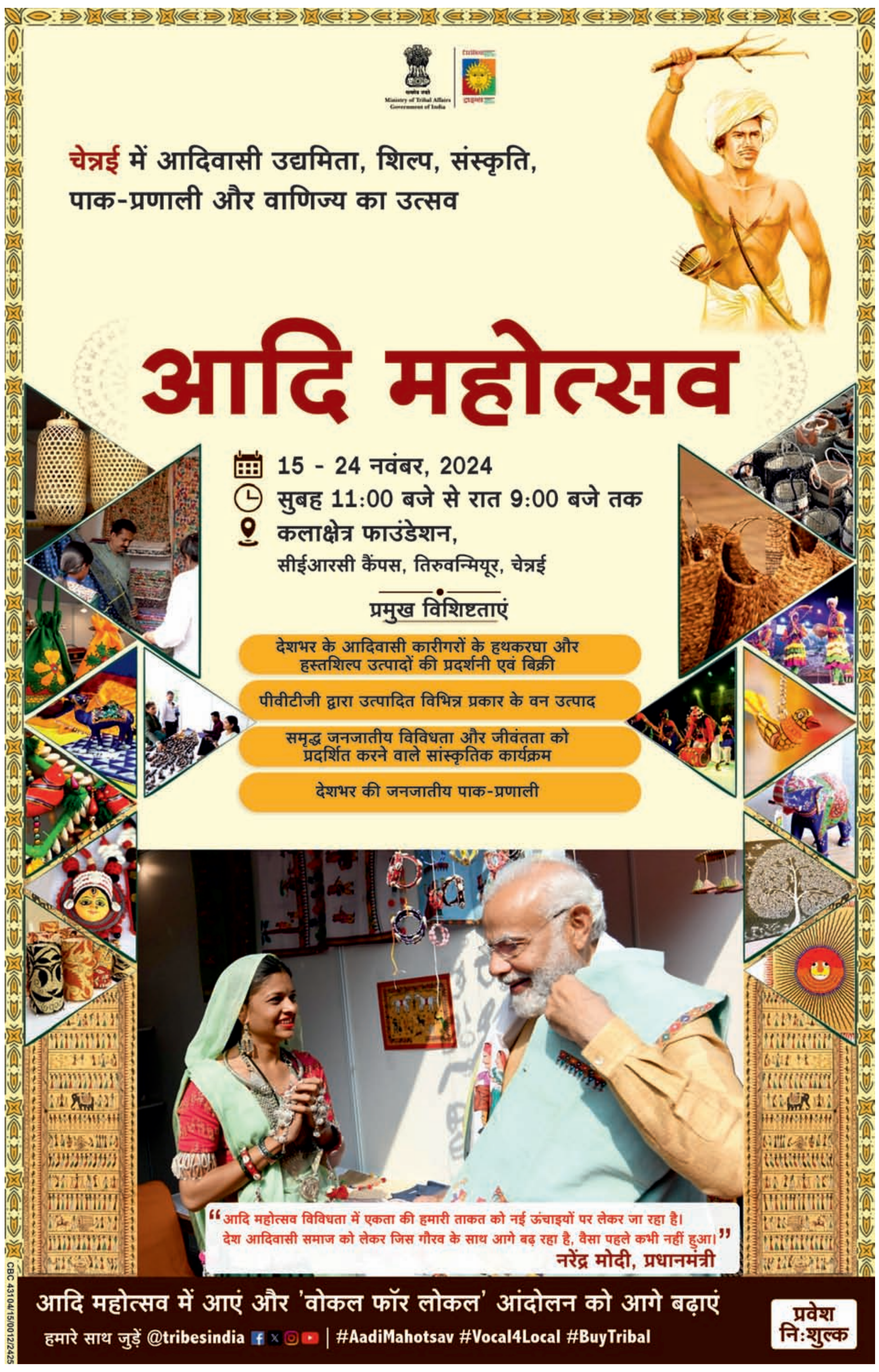

# जेडीए ने जम्मू में विस्थापित कश्मीरियों की दुकानें तोड़ी, लोगों ने किया प्रदर्शन

**जम्मू/भाषा।** जम्मू विकास प्राधिकरण ने जम्मू शहर में विस्थापित कश्मीरी पंडितों की एक दर्जन दुकानों को कथित तौर पर बिना नोटिस जारी किए तोड़ दिया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई का विभिन्न वर्गों ने विरोध किया और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया गया जिसमें विस्थापित कश्मीरी पंडितों द्वारा तीन दशक पहले मुथी कैंप के पास बनाई गई दुकानों को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि पुरानी दुकानें जम्मू विकास प्राधिकरण (जेडीए) की जमीन पर स्थित थीं। राहत आयुक्त अरविंद करवानी ने स्थिति का आकलन करने के लिए इलाके का दौरा किया और प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि इलाके में उनके लिए नई दुकानें बनाई जाएंगी। उन्होंने बताया, ये दुकानें जेडीए की जमीन पर थीं। राहत संगठन ने मुथी कैंप फेज-2 में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए टेंडर जारी किए हैं। जल्द ही दस दुकानें बनाकर इन दुकानदारों को आवंटित कर दी जाएंगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और अपनी पार्टी समेत राजनीतिक दलों तथा कई कश्मीर पंडित संगठनों ने जेडीए की कार्रवाई की निंदा की और विस्थापित समुदाय के लिए नई दुकानों के निर्माण की मांग की ताकि उन्हें अपनी आजीविका बनाए रखने में मदद मिल सके। दुकान के मालिक कुलदीप किसरू ने अपनी तोड़ी हुई दुकान की ओर इशारा करते हुए कहा, बेहतर सुविधाएं और वित्तीय सहायता प्रदान कर हमें जीवित रहने में मदद करने के बजाय इस सरकार ने हमारी दुकानों को बुलडोजर से गिराकर हमारी रोटी भी छीन ली है।

# मप्र के मुख्यमंत्री यादव ने तकनीकी दक्षता के लिए इजराइल की जमकर तारीफ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इंदौर/भाषा।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इजराइल की बृहस्पतिवार को जमकर तारीफ की और कहा कि एक करोड़ से भी कम आबादी वाले इस मुल्क ने दुश्मनों से निपटने तथा कृषि उत्पादन के क्षेत्रों में तकनीकी दक्षता की मिसाल पेश की है।

यादव ने इंदौर में 'सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज' के छठे दीक्षांत समारोह में कहा कि 1950 के दशक में आजाद होने के बाद से लेकर अब तक इजराइल अपनी तकनीकी दक्षता के बलबूते पर सारी चुनौतियों से पार पा रहा है। उन्होंने कहा कि इजराइल की आबादी एक करोड़ से भी कम है लेकिन आस-पास के जिन देशों से इजराइल की लड़ाई चल रही है उनकी जनसंख्या इससे कहीं ज्यादा है।

यादव ने सितंबर में हिजबुल्ला के खिलाफ इजराइल के ''पेजर हमलों'' का उदाहरण देते हुए कहा, हिजबुल्ला के लोग बता सकते हैं कि एक पेजर भी कितना भारी पड़ता है। तकनीकी दक्षता का इससे बड़ा कोई उदाहरण होगा क्या?'' मुख्यमंत्री ने भारत के

सबसे बड़े सोयाबीन उत्पादक मध्यप्रदेश और इजराइल की इस तिलहन फसल की उत्पादकता को लेकर तुलना भी की। उन्होंने कहा कि तकनीकी दक्षता के कारण ही इजराइल की प्रति बीघा सोयाबीन उत्पादकता मध्यप्रदेश से कहीं ज्यादा है, जबकि इस मुल्क में भारत के मुकाबले बेहद कम बारिश होती है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह भी कहा कि कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया के सामने नजीर पेश की है। उन्होंने रामायण और महाभारत की पौराणिक कथाओं का हवाला दिया और कहा कि भारत प्राचीन काल से नैतिक मूल्यों पर भरोसा करता आया है और देश में प्रतिभावान और योग्य लोगों की कोई कमी नहीं है।

# बंधुआ मजदूरों की अंतर-राज्यीय तस्करी से निपटने के लिए प्रस्ताव तैयार करे केंद्र : शीर्ष अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने नाबालिगों सहित बंधुआ मजदूरों की अंतर-राज्यीय तस्करी के मुद्दे को सुलझाने के लिए केंद्र को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक कर एक प्रस्ताव तैयार करने का बृहस्पतिवार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने उत्तर प्रदेश में रिहा कराए गए 5,264 बंधुआ मजदूरों में से केवल 1,101 को तत्काल वित्तीय सहायता मिलने के आंकड़ों को 'चिंताजनक' बताया। शीर्ष अदालत ने कहा कि समस्या बचाए गए बच्चों को तत्काल वित्तीय सहायता के वितरण में थी, क्योंकि कुछ मामलों में नाबालिगों को उनके गृह राज्यों से ले जाया गया और पड़ोसी राज्यों में बंधुआ मजदूरी करने के लिए मजबूर किया गया। पीठ ने कहा, बच्चों की अंतर-राज्यीय तस्करी के मुद्दे को सुलझाने के लिए हमें लगता है कि केंद्र एवं सभी राज्यों को एकीकृत तरीके से इसे निपटाना चाहिए।

# महाराष्ट्र में सत्ता समर्थक लहर के कारण वोट प्रतिशत बढ़ा, महायुति की सरकार बनेगी : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नागपुर/भाषा।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने राज्य विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत में वृद्धि का श्रेय ''सत्ता समर्थक लहर'' और महायुति सरकार के प्रति मतदाताओं के ''लगाव'' को दिया। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा कि मतदान प्रतिशत में वृद्धि से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सत्तारूढ़ सहयोगी दलों को लाभ होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महायुति गठबंधन राज्य में अगली सरकार बनाएगा।

बुधवार को हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करीब 65 प्रतिशत मतदान हुआ। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि ये आंकड़े अस्थायी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में 2019 के विधानसभा चुनाव में 61.74 प्रतिशत मतदान हुआ था। विधानसभा चुनावों में, भाजपा नीत महायुति को सत्ता बरकरार रहने का भरोसा है, जबकि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) को 2024 के लोकसभा चुनावों में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद है।

नागपुर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा, महाराष्ट्र में मतदान प्रतिशत बढ़ा है और जब भी ऐसा होता है, तो यह भाजपा और गठबंधन दलों के पक्ष में होता है। हमें उम्मीद है कि इससे हमें फायदा होगा और हम सरकार बनाएंगे। मतदान में वृद्धि के पीछे संभावित कारणों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सत्ता के पक्ष में लहर और मतदाताओं में सरकार के प्रति लगाव की भावना के कारण मतदान प्रतिशत में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि इस बात को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि महिला मतदाताओं के मतदान में वृद्धि संभवतः 'लाडकी बहिन' योजना के कारण हुई है।

जब उनसे पूछा गया कि अधिकतर 'एग्जिट पोल' में महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन की जीत का पूर्वानुमान जताया गया है, जबकि कुछ में विपक्षी गठबंधन एमवीए को बढ़त की बात कही गई है, तो फडणवीस ने कहा कि 'एग्जिट पोल' के विषय पर पार्टी के प्रवक्ता बात करते हैं, नेता नहीं। मुख्यमंत्री पद के बारे में पूछे गए सवाल पर भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि महायुति के तीनों घटक दल भाजपा, एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) इस मामले पर एक साथ चर्चा करेंगे और उचित निर्णय लेंगे। अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उद्योगपति गौतम अदाणी पर रिश्वतखोरी के आरोप लगाए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार करने संबंधी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मांग पर फडणवीस ने कहा कि गांधी रोज बोलते हैं और इसमें कुछ भी बड़ा नहीं है।

# दिल्ली में 'डिजिटल अरेस्ट' करके दो लाख रुपए की ठगी, तीन लोग गिरफ्तार

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली पुलिस ने एक महिला को डिजिटल रूप से हिरासत में लेकर उससे दो लाख रुपए की ठगी करने वाले 'डिजिटल अरेस्ट गिरोह' के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान 31 वर्षीय तासिम अहमद, 29 वर्षीय अमन शर्मा और 48 वर्षीय धर्मेश चंदूलाल सोनी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि एक एमएनसी (बहुराष्ट्रीय कंपनी) में ग्राफिक डिजाइनर के तौर पर काम करने वाली महिला से 29 सितंबर को डिजिटल अरेस्ट के जरिए दो लाख रुपए की ठगी की गई। अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर एक टीम ने 28 अक्टूबर को कथित धोखाधड़ी के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

# अदाणी की कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 2.19 लाख करोड़ रुपए की भारी गिरावट

**नई दिल्ली/भाषा।** अदाणी समूह की सभी 10 सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में बृहस्पतिवार को सामूहिक रूप से 2.19 लाख करोड़ रुपए की भारी गिरावट आई। जनवरी, 2023 में आई अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद समूह की कंपनियों को जो नुकसान हुआ था, आज का नुकसान उससे दोगुना से अधिक है। हिंडनबर्ग ने समूह पर शेयरों में हेराफेरी और लेखा के स्तर पर गड़बड़ी करने के आरोप लगाए थे।

उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों के भारत में सौर बिजली अनुबंध हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर (करीब 2,200 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने का आरोप लगाने के बाद समूह की कंपनियों के शेयर में भारी गिरावट आई है। बीएसई पर सूचीबद्ध समूह की समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 22.61 प्रतिशत की गिरावट आई, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 20 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 18.80 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 13.53 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 11.98 प्रतिशत और अदाणी टोटल गैस में 10.40 प्रतिशत की गिरावट आई। अदाणी विल्मर के शेयर में 9.98 प्रतिशत, अदाणी पावर में 9.15 प्रतिशत, एसीसी में 7.29 प्रतिशत तथा एनडीटीवी में 0.06 प्रतिशत की गिरावट आई। समूह की कुछ कंपनियों के शेयर ने अपने निचले सर्किट स्तर को छुआ। समूह की सभी 10 सूचीबद्ध कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में आज 2,19,878.35 करोड़ रुपए की गिरावट आई। इसका असर घरेलू बाजारों पर भी पड़ा और बीएसई सेंसेक्स 422.59 अंक या 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,155.79 अंक पर, जबकि एनएसई निफ्टी 168.60 अंक या 0.72 प्रतिशत फिसलकर 23,349.90 अंक पर आ गया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, हालांकि बाजार पिछले कुछ सप्ताह से सुस्ती के दौर से गुजर रहा है, लेकिन आज की गिरावट का कारण अदाणी समूह पर रिश्वतखोरी के आरोप लगने की खबर भी रही जिसके कारण समूह के शेयरों में भारी बिकवाली हुई।

## गौतम अदाणी पर रिश्वत के आरोप साख की दृष्टि से नकारात्मक : मूडीज

**नई दिल्ली/भाषा।** साख निर्धारित करने वाली एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने कहा है कि वह गौतम अदाणी पर लगे रिश्वतखोरी के आरोपों के मद्देनजर समूह की पूंजी जुटाने की क्षमता का आकलन करते समय इसकी संचालन व्यवस्था पर गौर करेगी। मूडीज ने बृहस्पतिवार को कहा कि बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र में कार्यरत अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले में अभियोग समूह की कंपनियों की साख की दृष्टि से नकारात्मक हैं।

अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अदाणी पर कथित तौर पर सौर ऊर्जा अनुबंधों के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 2,100 करोड़ रुपए) से अधिक की रिश्वत देने की योजना का हिस्सा होने का आरोप लगाया है। मूडीज ने कहा, अदाणी समूह का आकलन करते समय हमारा मुख्य ध्यान समूह की कंपनियों की नकदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूंजी तक पहुंचने की क्षमता और इसके कामकाज के संचालन पर रहेगा।

# कीमतों में स्थिरता सतत वृद्धि के लिए आधारशिला : शक्तिकांत दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बृहस्पतिवार को कहा कि कीमतों में स्थिरता सतत वृद्धि के लिए आधारशिला का काम करती है और केंद्रीय बैंक का प्रयास खुदरा मुद्रास्फीति को टिकाऊ रूप से चार प्रतिशत पर लाने का है। 'मुद्रास्फीति और वृद्धि को संतुलित करना: मौद्रिक नीति का प्रमुख सिद्धांत' विषय पर अपने संबोधन में दास ने कहा कि मजबूत वृद्धि ने केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करने की गुंजाइश दी है, ताकि इसको टिकाऊ रूप से चार प्रतिशत के लक्ष्य के दायरे में लाया जा सके। उन्होंने कहा, स्थिर मुद्रास्फीति या मूल्य स्थिरता लोगों और अर्थव्यवस्था के सर्वोत्तम हित में है। यह सतत वृद्धि

के लिए आधारशिला का काम करती है, लोगों की क्रय शक्ति को बढ़ाती है और निवेश के लिए एक स्थिर वातावरण प्रदान करती है। वह यहां वैश्विक दक्षिण के केंद्रीय बैंकों के एक उच्चस्तरीय नीति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

गवर्नर ने कहा कि जब रिजर्व बैंक ने अप्रैल, 2023 में नीतिगत दर में ढाई प्रतिशत की वृद्धि करने के बाद विराम लिया, तो बाजार की अपेक्षाओं को केंद्रीय बैंक से आगे निकलने या आगे बढ़ने से रोकना महत्वपूर्ण था। इसलिए, इस बात पर जोर दिया गया कि यह विराम है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि दरों के मोर्चे में पूर्व में जो कार्रवाई की गई है उसका लाभ व्यापक अर्थव्यवस्था तक पहुंचे। गवर्नर ने कहा, हमने यह भी स्पष्ट रूप से कहा है कि मुद्रास्फीति का संतोषजनक स्तर तक रहना पर्याप्त नहीं है। हमारा लक्ष्य इसे टिकाऊ आधार पर चार प्रतिशत के दायरे में लाने का है।

## दिल्ली विस चुनाव

# आप ने 11 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, भाजपा व कांग्रेस से आए नेताओं पर भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 11 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची बृहस्पतिवार को जारी की। आप ने तीन मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया और हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा कांग्रेस से आए छह नेताओं पर भरोसा दिखाया है। दिल्ली विधानसभा की 70 सीट के लिए चुनाव फरवरी में होने हैं। आप उम्मीदवारों की सूची जारी करने वाली पहली पार्टी है।

यहां संवाददाता सम्मेलन में पार्टी की दिल्ली इकाई के संयोजक गोपाल राय ने कहा कि उम्मीदवारों के नामों की घोषणा जल्दी इसलिए की गई क्योंकि जिन 11 क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की गई उनमें से आठ का प्रतिनिधित्व आप के पास नहीं है। वर्तमान में इन आठ में से छह निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के विधायक हैं। उन्होंने इस बात का खंडन किया कि अपने नेताओं को दरकिनार कर हाल ही में पार्टी में शामिल हुए बाहरी नेताओं को टिकट दिया गया। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में आप की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक के बाद इन नामों की घोषणा की गई। दिल्ली में 2015 से सत्ता संभाल रही आप ने 2020 के विधानसभा चुनावों में 62 सीट पर जीत हासिल की थी।

# 'नवोंमेष को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रु. के कोष का उपयोग करे उद्योग'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को उद्योग जगत से देश में नवोन्मेष को बढ़ावा देने और अनुसंधान-आधारित परिवेश बनाने के लिए अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) के तहत एक लाख करोड़ रुपए के कोष का उपयोग करने को कहा। गोयल ने उद्योग मंडल फिक्की की 97वीं वार्षिक आम बैठक और सम्मेलन में यह भी उम्मीद जताई कि भारत को अनुसंधान एवं विकास परिवेश विकसित करने में मदद करने की सरकार की पहल से उद्योग के लोगों की रुचि बढ़ेगी।

मंत्री ने कोष प्राप्त करने की प्रक्रियाओं को परिणाम उन्मुख बनाने और समय के लिहाज से कुशल बनाने के लिए सुझाव भी मांगे। गोयल ने लोगों की जरूरतों को पूरा करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नवोन्मेष को बढ़ावा देने और उद्योग के साथ सहयोग के लिए उद्योग-शैक्षणिक-सरकारी भागीदारी का हिस्सा बनने को लेकर निजी क्षेत्र के संस्थानों को लाने की वकालत की। उन्होंने कहा, इस पूंजी (एएनआरएफ) के साथ और अगर हम इसे जल्दी से उपयोग कर सकते हैं, तो मैं आपको भरोसा दिलाता हूं, सरकार अतिरिक्त कोष से पीछे नहीं हटेगी।

## विपक्षी सदस्यों ने वक्फ संबंधी समिति का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की, पाल बोलेः रिपोर्ट तैयार

**नई दिल्ली/भाषा।** वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि रिपोर्ट तैयार है और इस पर सभी सदस्यों के बीच सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि, समिति में शामिल विपक्षी सदस्यों ने समिति का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की और कहा कि उन्हें मसौदा कानून में बदलावों का अध्ययन करने के लिए और समय चाहिए। समिति ने बृहस्पतिवार को करीब छह घंटे तक बैठक की। समिति की बैठक में अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य जगदंबिका पाल ने कहा कि समिति की यह आखिरी बैठक होगी और एक मसौदा रिपोर्ट शीघ्र ही सदस्यों को वितरित की जाएगी। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया और नारेबाजी की। उनमें से कुछ ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को फोन किया और मामले में उनसे हस्तक्षेप की मांग की। लोकसभा ने समिति को सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बैठक के बाद पाल ने कहा, हमारी रिपोर्ट तैयार है...हमारा प्रयास होगा कि सबकी सहमति हो तथा कोई असहमति नोट नहीं दे।

# कसाब तक को निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिला : उच्चतम न्यायालय ने यासीन मलिक मामले में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक के खिलाफ अपहरण मामले में सुनवाई करते हुए बृहस्पतिवार को टिप्पणी की कि अजमल कसाब को भी 'हमारे' देश में निष्पक्ष सुनवाई का मौका मिला था। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि वह इस मामले में सुनवाई के लिए तिहाड़ जेल में एक अदालत कक्ष स्थापित कर सकता है।

न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ जम्मू की एक निचली अदालत के 20 सितंबर 2022 के आदेश के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे मलिक को तत्कालीन गृहमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण मामले में अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह के लिए प्रत्यक्ष रूप से पेश होने का निर्देश दिया गया था।

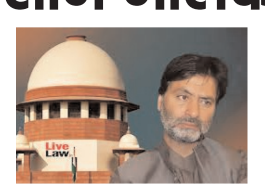

पीठ ने हालांकि कहा, ऑनलाइन माध्यम से जिरह कैसे की जाएगी? जम्मू में शायद ही कोई कनेक्टिविटी है...हमारे देश में अजमल कसाब को भी निष्पक्ष सुनवाई का मौका दिया गया था और उसे उच्च न्यायालय में कानूनी सहायता दी गई थी। पीठ ने सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह इस मामले में गवाहों की कुल संख्या के बारे में निर्देश प्राप्त करें। मेहता ने सुरक्षा संबंधी मुद्दे को उठाया और कहा कि मलिक को सुनवाई के लिए जम्मू नहीं ले जाया जा सकता। सॉलिसिटर जनरल ने मलिक पर प्रत्यक्ष रूप से पेश होने और वकील न रखने के लिए ''चालाकी'' करने का आरोप लगाया। मेहता ने कहा कि मलिक कोई साधारण अपराधी नहीं है और इसके साथ ही, सॉलिसिटर जनरल ने आतंकवादी हाफिज सईद के साथ मंच साझा करते हुए मलिक की एक कथित तस्वीर दिखाई। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह संबंधित न्यायाधीश को इस मामले की सुनवाई के लिए राष्ट्रीय राजधानी आने के अलावा जेल के अंदर सुनवाई का आदेश दे सकती है। हालांकि, पीठ ने कहा कि कोई आदेश पारित करने से पहले मामले में सभी आरोपियों का पक्ष सुना जाना चाहिए। मेहता ने कहा कि मलिक के उच्चतम न्यायालय में व्यक्तिगत पेशी से पहले सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हुई थीं। पीठ ने कहा कि मलिक को शीर्ष अदालत की कार्यवाही में वर्चुअल रूप से पेश होने की अनुमति दी जा सकती है। इसके साथ ही इसने मामले की अगली सुनवाई के लिए 28 नवंबर की तारीख तय की।

इस बीच, सीबीआई को अपनी याचिका में संशोधन करने और सभी आरोपियों को प्रतिवादी बनाने का निर्देश दिया गया है।

## आबकारी नीति मामलाः उच्च न्यायालय का केजरीवाल के खिलाफ सुनवाई पर रोक लगाने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्च न्यायालय ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सुनवाई पर फिलहाल रोक लगाने से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। केजरीवाल दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 से जुड़ी अनियमितताओं के मामले में आरोपी हैं। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने केजरीवाल की उस याचिका पर जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा जिसमें आरोपपत्र पर संज्ञान लिए जाने के निचली आदेश को चुनौती दी गई है। इस मामले की सुनवाई 20 दिसंबर को होगी। केजरीवाल ने निचली अदालत के आदेश को खारिज करने का अनुरोध किया और दलील दी कि कथित अपराध के समय वह एक लोक सेवक थे ऐसे में विशेष अदालत ने उनके खिलाफ सुनवाई के लिए किसी मंजूरी के बिना आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। हालांकि, ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केजरीवाल पर मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी मिल गई है और वह हलफनामा दाखिल करेंगे। जब अदालत ने शुरू में सुनवाई अगले साल के लिए निर्धारित की तो पूर्व मुख्यमंत्री ने सुनवाई के लिए शीघ्र तारीख निर्धारित करने का अनुरोध किया था और उनके वकील ने आग्रह किया कि मामले की तात्कालिकता को देखते हुए स्थगन की उनकी याचिका पर आज ही आदेश पारित किया जाए।

## अन्नाद्रमुक ने कहा

# कल्लाकुरिची जहरीली शराब मामले में सीबीआई जांच के खिलाफ अपील नहीं करें

### द्रमुक ने की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु में विपक्षी अन्नाद्रमुक ने कहा है कि कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय में अपील नहीं करे, जिसकी सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने बृहस्पतिवार को कड़ी आलोचना की। द्रमुक ने कहा कि इसके पहले अन्नाद्रमुक एक मामले को केंद्रीय एजेंसी को स्थानांतरित करने के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत पहुंची थी। द्रमुक नेता आर एस भारती ने कहा कि 2018 में जब उनकी पार्टी ने अन्नाद्रमुक शासन के तहत राजमार्ग विभाग में लगभग 4,800 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार को लेकर मद्रास उच्च न्यायालय में याचिका दायर की तो अदालत ने सीबीआई जांच का आदेश दिया था।

द्रमुक के संगठन सचिव और पूर्व सांसद भारती ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने सीबीआई से जांच की मांग नहीं की थी, लेकिन अदालत ने इसका निर्देश दिया...वह पलानीस्वामी ही थे जिन्होंने सीबीआई जांच के खिलाफ उच्चतम न्यायालय से स्थगनादेश हासिल किया था। भारती उस मामले में याचिकाकर्ता थे। पलानीस्वामी 2017 से 2021 तक मुख्यमंत्री थे। अन्नाद्रमुक शासन के दौरान, पलानीस्वामी के पास राजमार्ग विभाग भी था। जब यह मामला बाद में शीर्ष अदालत में सुनवाई के लिए आया तो द्रमुक नेता ने कहा कि उनकी पार्टी ने कहा है कि उसे सीबीआई जांच के खिलाफ पलानीस्वामी की याचिका पर कोई आपत्ति नहीं है।

सत्तारूढ़ दल के नेता ने संकेत दिया कि सीबीआई जांच की मांग करना उनकी पार्टी का पसंदीदा विकल्प नहीं रहा है। सीबीआई पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने तिरुपुर में 2016 में राज्य विधानसभा चुनाव से पहले एक कंटेनर लॉरी में रखे 570 करोड़ रुपये की जब्ती के मामले में उच्च न्यायालय द्वारा निर्देशित सीबीआई जांच के नतीजे पर आश्चर्य जताया। मद्रास उच्च न्यायालय ने 20 नवंबर को कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी, जिसमें अवैध शराब पीने से 67 लोगों की मौत हो गई थी।

कानून मंत्री एस रेगुपति ने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अपील करने पर निर्णय लेंगे और कहा कि राज्य सरकार को अपील करने का अधिकार है।

# तमिलनाडु का अदाणी की कंपनी से कोई लेना-देना नहीं : सेंथिल बालाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**करूर।** तमिलनाडु के ऊर्जा मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित बिजली निगम का गौतम अदाणी की कंपनी के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है और राज्य को केवल केंद्र सरकार की एक कंपनी से बिजली खरीदने का समझौता है।

मंत्री ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि उन्होंने उद्योगपति गौतम अदाणी के संबंध में कुछ खबरों और सोशल मीडिया की पोस्ट में तमिलनाडु का संदर्भ देखा है। अदाणी पर सौर ऊर्जा अनुबंधों के संबंध में अमेरिका में आरोप लगाए गए हैं।

उन्होंने कहा, मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि जहां तक टीएएनजीईडीसीओ (टीएन जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन) का संबंध है, इसका पिछले तीन वर्षों के दौरान (मई 2021 में द्रमुक के सत्ता संभालने के बाद) अदाणी की कंपनी के साथ किसी भी तरह का व्यावसायिक संबंध नहीं रहा है।

# तमिलनाडु के सेलम में आग लगने से आरा मिल हुई जलकर खाक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**सेलम।** तमिलनाडु में सेलम जिले के सन्नियासिगुंडु के पास किच्चिपलायम में लकड़ी की एक आरा मिल में आग लग जाने से लकड़ी का पूरा भंडारण जलकर खाक हो गया। अग्निशमन और बचाव सेवा विभाग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बुधवार रात को कथित तौर पर बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई, जिससे मिल में रखी लकड़ियां जलकर खाक हो गईं। हालांकि, इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, आग से करीब 50 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान है।

# संविधान पर आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोपों के मामले में अदालत ने चेरियन के खिलाफ जांच जारी रखने के आदेश दिये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोच्चि।** केरल उच्च न्यायालय ने राज्य के मत्स्य पालन मंत्री साजी चेरियन को झटका देते हुये जुलाई 2022 में एक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान संविधान का अपमान करने के आरोपों के मामले में बृहस्पतिवार को उनके खिलाफ जांच जारी रखने का आदेश दिया है। उच्च न्यायालय ने पुलिस की अंतिम रिपोर्ट को भी खारिज कर दिया, जिसमें मंत्री को क्लीन चिट दी गई थी। साथ ही उच्च न्यायालय ने मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को भी खारिज कर दिया जिसमें पुलिस की अंतिम रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया था। इसने कहा कि शुरुआती जांच में कमियां पाई गईं। साथ ही उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि पुलिस की अपराध शाखा से आगे की जांच कराई जाए। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि शुरुआती जांच जल्दबाजी में पूरी की गई। अदालत का यह आदेश केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा मामले में जांच जारी रखने के अनुरोध वाली याचिका पर आया है।

फैसले के बाद, मंत्री ने कहा कि चूंकि मामला उनसे जुड़ा है, इसलिए न्याय के तहत उच्च न्यायालय को उनकी भी बात सुननी चाहिए थी।

उन्होंने कहा, चूंकि उच्च न्यायालय ने मेरा पक्ष नहीं सुना, इसलिए मैं उसके आदेश को पढ़ने के बाद ही आगे कदम उठाऊंगा। चेरियन ने यह भी दावा किया कि उच्च न्यायालय ने केवल पुलिस द्वारा की गई जांच के बारे में टिप्पणी की न कि उनके द्वारा की गई कथित टिप्पणियों पर। उन्होंने कहा, इसने (अदालत ने) जांच जारी रखने के आदेश दिए हैं। इसे (जांच को) होने दीजिए। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। मंत्री ने यह भी कहा कि यहां नैतिकता या सिद्धांतों का कोई सवाल नहीं था जिसके कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़े, क्योंकि मामले की जांच पुलिस द्वारा की गई, अंतिम रिपोर्ट दी गई और मजिस्ट्रेट अदालत ने उसे स्वीकार किया। उन्होंने कहा, अब उच्च न्यायालय ने इसे खारिज कर दिया है। इसके ऊपर एक अदालत है। हमारे पास अपील का अधिकार है।

दूसरी ओर, कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर चेरियन से मंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने कहा कि चेरियन ने मंत्री के रूप में अपने पद का उपयोग करके मामले की जांच को प्रभावित किया और इसलिए, उन्हें या तो इस्तीफा दे देना चाहिए या मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को उन्हें पद से हटा देना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें (चेरियन) कभी भी कैबिनेट में वापस शामिल नहीं किया जाना चाहिए था। मुख्यमंत्री का यह फैसला गलत था। उच्च न्यायालय के फैसले से संकेत मिलता है कि उन्हें बहाल करने का फैसला गलत था। उन्होंने दावा किया कि न्यायालय ने कहा है कि जांच निष्पक्ष अधिकारी द्वारा की जानी चाहिए।

सतीसन ने कहा, लेकिन अगर वह अभी भी मंत्री हैं तो एक ईमानदार और निष्पक्ष जांच कैसे की जा सकती है? स्थिति पहले की तुलना में बदतर है। चेरियन के भाषण ने राज्य में राजनीतिक तूफान ला दिया था और विपक्ष ने चेरियन के इस्तीफे या उन्हें बर्खास्त किए जाने की मांग की थी जिसके चलते आखिरकार छह जुलाई 2022 को उन्हें कैबिनेट पदों से इस्तीफा देना पड़ा। बाद में उन्हें कैबिनेट में फिर से शामिल कर लिया गया।

# सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश संबंधी टिप्पणी को लेकर गोवा के राज्यपाल के खिलाफ प्राथमिकी रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोच्चि।** केरल उच्च न्यायालय ने 2018 में अपने भाषण में सबरीमला मंदिर में सभी उम्र वर्ग की महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द कर दी है।

न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन ने पिल्लई का अनुरोध स्वीकार करते हुए कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-505(1)(बी) (सार्वजनिक शांति, व्यवस्था को भंग करने वाले बयान देना) के तहत अपराध नहीं बनता है, क्योंकि पिल्लई ने युवा मोर्चा की राज्य समिति की बैठक में भाषण दिया था, किसी सार्वजनिक सभा में नहीं। उच्च न्यायालय ने अपने हालिया फैसले में कहा कि भाषण ने किसी को राज्य या सार्वजनिक शांति के खिलाफ अपराध करने के लिए नहीं उकसाया और इस कारण से भी आईपीसी की धारा-505(1)(बी) के तहत अपराध भी नहीं बनता। उसने कहा कि पिल्लई मौजूदा समय में गोवा के राज्यपाल हैं और संविधान का अनुच्छेद-361(2) कहता है कि राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी अदालत में कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जाएगी या जारी नहीं रखी जाएगी।

उच्च न्यायालय ने कहा, इसलिए, याचिकाकर्ता (पिल्लई) संविधान के अनुच्छेद-361 के तहत तब तक छूट के हकदार हैं, जब तक वह गोवा के राज्यपाल पद पर रहेंगे। पिल्लई ने अपने भाषण में उच्चतम न्यायालय के उस आदेश की आलोचना भी की थी, जिसके तहत सभी उम्र वर्ग की महिलाओं को सबरीमला के भगवान अयप्पा मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति दी गई थी। उच्च न्यायालय ने कहा कि कोई फैसला, जो एक सार्वजनिक दस्तावेज है, उसकी निष्पक्ष एवं उचित आलोचना अवमानना या आपराधिक अपराध नहीं मानी जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के तत्कालीन अध्यक्ष पिल्लई के खिलाफ एक पत्रकार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पत्रकार ने आरोप लगाया था कि पिल्लई ने चार नवंबर को दिए अपने भाषण में कहा था कि किसी 'युवती' (रजस्वला महिलाएं) के आने पर 'थंथरी' (मुख्य पुजारी) का 'सबरीमला नाडा' (मंदिर के कपाट) बंद करना अदालत की अवमानना नहीं होगा।

### सम्मेलन

आईटी बीटी मंत्री प्रियांक खरगे, डॉ. एकरूप कौर, आईटीबीटी सचिव, जीओके, विधायक शरत बचेगौड़ा और अन्य के साथ बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में बेंगलूरु टेक सम्मिट 2024 के समापन समारोह म्ं भाग लेते हुए।

# इस्पात विनिर्माता वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होने के लिए अनुसंधान को बढ़ावा दें : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा है कि इस्पात विनिर्माताओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और तकनीकी रूप से उन्नत होने के लिए अनुसंधान को लेकर भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे अग्रणी संस्थानों के साथ सहयोग करने की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि भारत का इस्पात क्षेत्र इसकी औद्योगिक ताकत की रीढ़ और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। बड़ी-बड़ी इमारतों से लेकर राजमार्गों तक, रेलवे से लेकर रक्षा तक, इस्पात हमारी प्रगति को शक्ति देता है। केंद्रीय इस्पात मंत्री ने बुधवार को यहां पुरस्कार समारोह के अवसर पर कहा, विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धी और तकनीकी रूप से उन्नत इस्पात उद्योग बनाने के लिए हमारे इस्पात विनिर्माताओं को शोध को लेकर आईआईएससी और आईआईटी जैसे अग्रणी संस्थानों के साथ सहयोग करने की आवश्यकता है।

कुमारस्वामी ने कहा, विशेष इस्पात भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जहां अनुसंधान और नवोन्मेष समय की मांग है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और इस्पात क्षेत्र इस परिवर्तन के केंद्र में रहेगा।

यह भारत की मजबूती को प्रदर्शित करेगा और वैश्विक मंच पर इसके नेतृत्व को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, इन सबके बावजूद अस्थिर बाजार, पर्यावरण अनुकूल उपायों और नवोन्मेष की जरूरत जैसी चुनौतियां भी बनी हुई हैं।

कुमारस्वामी ने कहा कि सरकार इस्पात उद्योग को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 और विशेष इस्पात के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और स्क्रैप (कबाड़) पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने जैसे कदमों से क्षेत्र को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता साफ है।

# मानव को अंतरिक्ष में भेजने के लिए इसरो और ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी के बीच समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अंतरिक्ष गतिविधियों में सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी (एएसए) के साथ एक 'इंप्लीमेंटेशन एग्रीमेंट' (आईए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसरो ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस समझौते के तहत दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच गगनयान मिशन के लिए चालक दल और चालक दल (क्रू) 'मॉड्यूल' वापसी पर सहयोग संभव होगा। गगनयान देश का पहला मानव मिशन है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में बताया कि इस समझौते पर 20 नवंबर को बेंगलूरु में इसरो की तरफ से मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी) के निदेशक डीके सिंह और कैनबरा में एएसए की तरफ से स्पेस कैपेबिलिटी ब्रांच के महाप्रबंधक जारोड पॉवेल ने हस्ताक्षर किए। इसरो ने मानव अंतरिक्ष उड़ान (गगनयान) कार्यक्रम की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य भारतीय 'मॉड्यूल' में चालक दल के तीन सदस्यों के साथ तीन दिनों तक पृथ्वी की निचली कक्षा में उड़ान भरना और 'मॉड्यूल' को सुरक्षित रूप से वापस लाना है।

इसरो ने बताया कि इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि चालक दल की खोज और चालक दल के 'मॉड्यूल' की वापसी के लिए सहायता सुनिश्चित हो सके। बयान के मुताबिक, भारत और ऑस्ट्रेलिया स्थायी रणनीतिक साझेदार हैं तथा दोनों अंतरिक्ष एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। बयान में बताया गया कि दोनों एजेंसियां वर्तमान और भविष्य की सहयोग गतिविधियों को तलाशने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# कर्नाटक में चार सरकारी अधिकारियों के परिसरों पर लोकायुक्त का छापा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत ।क़र्नाटक लोकायुक्त ने बृहस्पतिवार को राज्य में चार सरकारी अधिकारियों के परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बेंगलूरु, मांड्या और चिक्काबल्लापुर में छापेमारी की जा रही है। आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के मामलों की जांच के सिलसिले में चार अधिकारियों से जुड़े कई परिसरों पर यह छापेमारी की जा रही है। इन अधिकारियों में 'माइन्स और जियोलॉजी' विभाग की वरिष्ठ भूवैज्ञानिक कृष्णवेणी एम सी, 'कावेरी नीरावरी निगम सेरफेस वाटर डाटा सेंटर' के प्रबंध निदेशक महेश, नगर एवं ग्राम नियोजन के निदेशक एन के थिप्पेस्वामी तथा संयुक्त आबकारी आयुक्त कार्यालय के आबकारी अधीक्षक मोहन के शामिल हैं। उन्होंने बताया कि लोकायुक्त अधिकारी दस्तावेजों, संपत्तियों और मूल्यवान वस्तुओं की जांच कर रहे हैं।

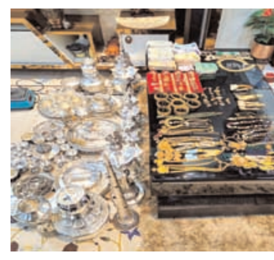

# भाजपा नेता मनोहर तहसीलदार का निधन

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मनोहर तहसीलदार का लंबी बीमारी के बाद बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। पार्टी सूत्रों न यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि 80 वर्षीय तहसीलदार के परिवार में चार बेटे और दो बेटियां हैं। उन्होंने बताया कि मनोहर तहसीलदार का एक निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा था।

नई दिल्ली में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात करते हुए।

# सीतारमण से मिले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, कृषि ऋण सीमा बढ़ाने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उनसे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अल्पावधि कृषि ऋण (एसएओ) की सीमा बढ़ाने को हस्तक्षेप का आग्रह किया। नॉर्थ ब्लॉक में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रस्तावित ऋण आवंटन में भारी गिरावट पर भी प्रकाश डाला, जिसने राज्य की 9,162 करोड़ रुपये की आवेदन सीमा के मुकाबले केवल 2,340 करोड़ रुपये ही स्वीकृत किए है। यह पिछले वर्ष के 5,600 करोड़ रुपये की तुलना में 58 प्रतिशत कम है।

सिद्दरामय्या ने विस्तृत जानकारी देते हुए इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक का लक्ष्य 2024-25 में 35 लाख किसानों को 25,000 करोड़ रुपये का अल्पकालिक कृषि ऋण वितरित करना है। 2023-24 में राज्य पहले ही सहकारी ऋण ढांचे के माध्यम से 22,902 करोड़ रुपये वितरित कर चुका है। राज्य सरकार के अनुसार, एसएओ ऋण सीमा में भारी कटौती से कृषि सहयोग में काफी बाधा आ सकती है और संभावित रूप से खाद्यान्न उत्पादन बाधित हो सकता है। नाबार्ड ने इस कमी का कारण भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से मिलने वाली सामान्य ऋण सीमा में कमी को बताया है।

कर्नाटक में अनुकूल मानसून की स्थिति से किसान अपनी कृषि गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए ऋण वितरण में वृद्धि का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सिद्दरामय्या ने सीतारमण से अनुरोध किया कि वह नाबार्ड और आरबीआई को अल्पावधि कृषि ऋण सीमा पर पुनर्विचार करने और उसे बढ़ाने का निर्देश दें। कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश और कृषि मंत्री चेलुवरायस्वामी भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहे।

# बेंगलूरु में 23 को आयोजित किया जाएगा एआईएमपीएलबी का वार्षिक आम सत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 23 नवंबर को वार्षिक आम सत्र आयोजित करेगा, जिसमें वक्फ को बचाने की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर, ईदगाह कुद्दूस साहब (मैदान) में शरीयत और औकाफ की सुरक्षा पर केंद्रित एक जनसभा आयोजित की जाएगी। बोर्ड ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बोर्ड का 29वां सत्र कर्नाटक के सबसे बड़े मदरसे - दारुलउलूम सबील-उर-रशद में आयोजित किया जाएगा।

बोर्ड ने कहा, इन दो दिन में बोर्ड के सदस्यों और विशेष आमंत्रित सदस्यों के विभिन्न परामर्श सत्र होंगे, जिसमें बोर्ड की विभिन्न समितियों की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाएंगी और भविष्य की कार्ययोजना भी तय की जाएगी, विशेषकर वक्फ के बचाव से संबंधित रणनीति पर चर्चा की जाएगी। फिलहाल बोर्ड वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ एक आंदोलन चला रहा है। बोर्ड ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा प्रस्तुत विधेयक की सामग्री ठीक नहीं है। बोर्ड ने कहा, यही कारण है कि बोर्ड समेत सभी मुस्लिम संगठनों और पार्टियों ने इसे खारिज करने का फैसला किया है।

संक्षिप्त खबरें

# सफलता उन्हें ही मिलती हैं जो निरंतर मेहनत करते हैं : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि मानव जीवन महत्वपूर्ण नहीं होता है, महत्वपूर्ण होता है, मनुष्य उसे किस प्रकार आदर्श रूप में जीता है। उन्होंने कहा कि सफलता उन्हें ही मिलती है जो निरंतर मेहनत करते हैं। देश की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास के लिए कार्य करने वाले ही पूज्य होते हैं। उन्होंने पद्म पुरस्कारों की चर्चा करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में यह इसलिए प्रदान किए जाते हैं कि इन्हें पाने वालों से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी उत्कर्ष जीवन की ओर आगे बढ़ सकें।

राज्यपाल बागड़े गुरुवार को छत्रपति संभाजी नगर में ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'तृतीय पद्म फेस्टिवल' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' कविता की पंक्तियां सुनाते हुए कहा कि जीत उन्हीं की होती है जो निरंतर प्रयास करते हैं। उन्होंने युवाओं को 'विकसित भारत' के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होने कहा कि यह बहुत अच्छी पहल है कि कोई फाउण्डेशन पद्म पुरस्कार पाने वालों के संवाद कार्यक्रम कर उनसे युवा पीढ़ी को प्रेरणा देने की पहल कर रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन में ज्ञान का यज्ञ ही सबसे महत्वपूर्ण है। बागडे ने कहा कि संस्कृति का अर्थ ही होता है, निरंतर जो परिवर्तन को लेकर चले। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। भारतीय संस्कृति इसीलिए विश्व भर में आज भी अपनी पहचान बनाए हुए कि इसमें नए परिवर्तनों को साथ लेकर चलने की क्षमता है। इसमें संस्कारों की सुगंध समाई हुई है। आरंभ में उन्होंने पद्म पुरस्कार पाने वालों का अभिनंदन करते हुए ज्ञान फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर फाउण्डेशन के उमेश टाकळकर ने स्वागत उद्बोधन दिया। अध्यक्षीय भाषण मिलिन्द केलकर ने देते हुए 'ज्ञानयज्ञ' द्वारा पद्म पुरस्कार संवाद को महत्वपूर्ण बताया।

ज्ञानयज्ञ फाउंडेशन की निदेशक श्रीमती वत्सला देशपांडे और अजय देशपांडे ने बताया कि फाउंडेशन के अंतर्गत इस बार 13 पद्म पुरस्कार प्राप्त हस्तियों के 13 संवाद सत्र रखे गए हैं। इनके अंतर्गत उनके ज्ञान से दूसरों को भी प्रेरणा मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव पर देश की संस्कृति और कलाओं पर कार्य करने के अंतर्गत यह तीसरा पद्मत उत्सव आयोजित किया गया है।

# सर्दी ने जोर पकड़ा, फतेहपुर में पारा 6.7 डिग्री तक गिरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सर्दी ने धीरे-धीरे असर दिखाना शुरू कर दिया है जहां बीती रात न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार बीती रात न्यूनतम तापमान सीकर में 7.0 डिग्री सेल्सियस, सिरोही में 8.1 डिग्री, चूरू में 8.6 डिग्री, संगरिया और भीलवाड़ा में 9.7 डिग्री सेल्सियस, करौली में 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इसके अलावा, माउंट आबू में यह पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं अधिकतम तापमान की बात की जाए तो बीते चौबीस घंटे में बाड़मेर में यह 31.9 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहा हालांकि कई इलाकों में धुंध छाने लगी है।

## भेंट

डेनमार्क के राजदूत फ्रेडी स्वेन ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से की शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर सीएम कार्यालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार, पीएचईडी के प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए सावंत मौजूद रहे।

# देवनानी से सिंगापुर प्रतिनिधि दल की मुलाकात, राजस्थानी परम्परा से किया स्वागत, डिजिटल म्यूजियम को देखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से गुरूवार को सिंगापुर के प्रतिनिधि दल ने शिष्टाचार मुलाकात की। विधान सभा पहुँचने पर सिंगापुर से आये सभी प्रतिनिधियों की अतिथि देवो भव: की परम्परा से तिलक लगाकर और फूल माला पहनाकर अगवानी की। देवनानी ने प्रतिनिधि मंडल नेता वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी को राजस्थान विधान सभा भवन की प्रतिकृति भेंट कर अभिवादन किया। देवनानी से सिंगापुर प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान विधान सभा की संसदीय प्रणाली की व्यवस्थाओं और सदन संचालन की परम्पराओं को बारीकी से समझा। देवनानी ने सदन की बैठकों, कार्य विन्यास, कार्य सूची, प्रश्नों, पर्ची व्यवस्था, लोक महत्व के विषयों पर स्थगन प्रस्ताव, विधेयकों के पुन: स्थापन आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। देवनानी ने सिंगापुर के प्रतिनिधि मंडल, सिंगापुर विधान मंडल की संसदीय व्यवस्था के विश्लेषण के साथ विभिन्न विधान मंडलों की व्यवस्था को भी बताया। उल्लेखनीय है कि देवनानी हाल ही में आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, इण्डोनेशिया और जापान के विधान मंडलों की अध्ययन यात्रा करके लौटे हैं। दल ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को भी देखा।

देवनानी को प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यों ने बताया कि राजस्थान सुंदर प्रदेश है। यहां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य विस्तार की अपार संभावनाएं है। इस यात्रा से राजस्थान और सिंगापुर को नई दिशा मिलेगी। सिंगापुर से आये दल में वरिष्ठ राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी, डेसमड टैन कोक मेंग, गेन सियो हुआंग, शॉन हुआंग, जी याओ क्यान, सुराचेल ओंग, सक्तियादी सुपाट सहित विधायक रूपेन्द्र सिंह कुन्नर, राजस्थान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, जयपुर जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी और उप सचिव संजीव कुमार शर्मा मौजूद थे।

आसाम विधान सभा की समिति ने देखी विधान सभा – विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से आसाम विधान सभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति के सदस्यों ने गुरूवार को विधान सभा में मुलाकात की। समिति ने राजस्थान विधान सभा के डिजिटल म्यूजियम को भी देखा।

देवनानी ने कहा कि संसदीय समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि समिति जितनी सशक्त होगी, उतने ही राज्य सरकार में कार्य प्रभावी तरीके से होंगे। आसाम की समिति में पोकेम बरूच, फेनीघर तालुकदार, अजय कुमार रे, जोलेन डामरी, श्रीमती सिबमौनी वोरा और सुजाम उद्दीन लश्कर शामिल थे। आसाम की समिति के सदस्यों को राजस्थान विधान सभा की सहचर समिति के बारे में उप सचिव नन्द किशोर शर्मा ने विस्तार से जानकारी दी।

# राइजिंग राजस्थान के तहत अब तक करीब 25 लाख करोड़ के हुए एमओयू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपूतली। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राज्य सरकार की प्रदेश में सारी योजनाएं धरातल पर नजर आने की प्राथमिकता बताते हुए कहा है कि उसने पिछले दस-ग्यारह महीनों में योजनाओं को लागू करने पर जोर दिया गया हैं और राइजिंग राजस्थान के तहत निवेश के लिए अब तक करीब 25 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हो चुके हैं। श्रीमती दीया कुमारी गुरुवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले में कोटपूतली कृषि महाविद्यालय भवन के लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर मीडिया से बातचीत में यह बात कही। राइजिंग राजस्थान को लेकर किए सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई भी अपना उद्योग लगाना चाहता हैं, राज्य सरकार उसकी पूरी मदद करेगी। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के तहत अब तक 25 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हो चुके है और इस बार निश्चित रुप से जो एमओयू किए गए हैं वे धरताल पर उतरेंगे और उन पर काम होगा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय काम नहीं हुआ लेकिन इस बार हम लोग काम करेंगे और वह धरातल पर नजर भी आयेगा।

उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के तहत जिले स्तर पर भी समिट हुए और निवेश के लिए हर जिले में हजारों करोड़ के एमओयू हुए और उनका काम भी शुरु हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जनहित में ऐसा बजट लाई हैं और उसमें किसी भी क्षेत्र को वंचित नहीं रखा गया हैं और इसकी विपक्ष ने भी प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि ज्यादातर चुनावी वर्ष में इस तरह का बजट आता हैं लेकिन हमने तो सरकार के पहले वर्ष में इस तरह का बजट लाये और प्राथमिकता है कि सारी योजनाए धरातल पर नजर आये। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले दस-ग्यारह महीने में इसी बात पर जोर दिया गया हैं और आने वाले फरवरी में जो बजट आयेगा उसमें भी और भी काम किये जायेंगे। इससे पहले उन्होंने लोकार्पण कार्यक्रम में भरोसा दिलाते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में जितनी भी मांगे उठाई गई हैं, वे पूरी करने की कोशिश की जायेगी और आगामी इसी बजट में उन्हें शामिल करने का प्रयास किया जायेगा।

# मंत्री कन्हैया लाल चौधरी राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का किया अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को सभी बाल वैज्ञानिक एवं युवा साकार करें। यह बात उन्होंने राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर द्वारा आयोजित 57 वीं राज्य स्तरीय विज्ञान एवं गणित पर्यावरण प्रदर्शनी 2024-25 के समापन समारोह में कही, जो पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मांडल में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि नन्हे मुन्ने बाल वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन देने में अध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक प्रोजेक्ट्स और इनोवेशन्स प्रदर्शित किए, जिन्हें देखकर मंत्री चौधरी काफी प्रभावित हुए। पीएचईडी मंत्री ने बताया कि यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों को अपने वैज्ञानिक ज्ञान और कौशल को प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान करती है। इस प्रदर्शनी से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और अन्वेषण की आदत विकसित होगी ताकि वे अपने आसपास के वातावरण में विज्ञान की उपस्थिति का अनुभव कर सकें।

उन्होंने कहा कि देश के नवनिर्माण में शिक्षक की विशेष भूमिका होती है। बच्चें गलत दिशा में नहीं जाए, इसके लिए आज नई पीढ़ी के लिए चरित्र निर्माण की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। बालक की चरित्र निर्माण की प्रारंभिक पाठशाला घर के साथ विद्यालय भी हैं। इस अवसर पर उन्होंने बाल वैज्ञानिकों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मांडल विधायक उदय लाल भडाणा ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने में बाल वैज्ञानिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने कहा कि मांडल विधानसभा क्षेत्र के किसी भी राजकीय विद्यालय में किसी भी प्रकार की आधारभूत सुविधाओं एवं विकास कार्यों की कोई कमी नहीं रहेगी।

# राजस्थान हाईकोर्ट ने शिल्पा शेट्टी के खिलाफ केस किया खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के खिलाफ एक क्रिमनल केस को रद्द किया है। यह केस एससी-एसटी एक्ट के तहत शिल्पा शेट्टी के खिलाफ दर्ज था। (शिल्पा राज कुंद्रा बनाम राजस्थान राज्य) शेट्टी के ऊपर साल 2017 में मामला दर्ज किया गया था। इसमें उनके ऊपर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने साल 2013 में टीवी को दिए एक इंटरव्यू में भंगी शब्द का इस्तेमाल किया था। इस इंटरव्यू में अभिनेता सलमान खान भी मौजूद थे। पुलिस को दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार इस शब्द के इस्तेमाल से कथित तौर पर वाल्मीकि समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई थीं। इसके बाद शेट्टी ने इस मामले को खत्म करने के लिए हाईकोर्ट का रुख किया। न्यायाधीश अरुण मोंगा ने याचिका की सुनवाई की। उन्होंने कहा कि एफआईआर और जमा किए गए साक्ष्यों में ऐसे संकेत नहीं मिले हैं कि शिल्पा शेट्टी का इरादा वाल्मीकि समुदाय को नीचा दिखाना या अपमानित करना हो।

कोर्ट ने कहा कि इंटरव्यू मे कहे गए उनके बयान की जो व्याख्या की जा रही है, उसे पूरी तरह से संदर्भ के बाहर ले जाया जा रहा है। एससी-एसटी एक्ट के तहत आरोपी को समुदाय के सदस्यों को विशिष्ट इरादे से अपमानित और नुकसान पहुंचाने जैसा कार्य करना चाहिए। भंगी शब्द कुछ संदर्भों में आपत्तिजनक हो सकता है, लेकिन इसका इस्तेमाल अनजाने में और वैकल्पिक रूप से बोलचाल की भाषा में भी हो सकता है।

न्यायालय ने शब्द की व्युत्पत्ति का विश्लेषण किया और पाया कि यह संस्कृत शब्द 'भंग' से लिया गया है, जिसका अर्थ अछूत जाति से संबंधित होने के अलावा टूटा हुआ या खंडित भी है। दूसरे संदर्भ में, भांग का मतलब भांग या नशीले पदार्थों से भी है, इसलिए भांग का सेवन करने वाले को भंगी भी कहा जा सकता है। ऑक्सफोर्ड हिंदी से अंग्रेजी शब्दकोश के अनुसार, भंगी का मतलब कोई ऐसा व्यक्ति भी होता है, जो भांग (भंगड़) का सेवन करता है या फिर धोखाधड़ी या चाल या छद्मवेश या यहां तक ङ्कङ्कि अजीबोगरीब या मूर्खतापूर्ण व्यवहार करता है।

## प्रमुख सचिव माइंस ने रिफाइनरी का किया दौरा

# परियोजना क्षेत्र में करीब 82.7 प्रतिशत कार्य पूरा, आर्थिक विकास में लगेंगे चार चांद : रविकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने गुरुवार को बालोतरा के पचपदरा में स्थापित हो रही एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी परियोजना का दौरा किया और बिगेस्ट पेटकोक, डीसीयू, वीडीयू, डीआईएल सहित विभिन्न इकाइयों पर हो रहे कार्य की प्रगति की जानकारी लेने के साथ ही सल्फर रिकवरी यूनिट के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि रिफाइनरी की 10 प्रोसेस इकाइयों का करीब 90 से 98 प्रतिशत तक काम पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि परियोजना क्षेत्र में करीब 82.7 प्रतिशत काम पूरा हो गया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा रिफाइनरी में उत्पादन जल्द आंरभ होने के लिए गंभीर है। प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम ने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी राज्य सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है, इससे प्रदेश के औद्योगिक व आर्थिक विकास में चार चांद लग जाएंगे। एचपीसीएल और राजस्थान सरकार की संयुक्त उद्यम कंपनी एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) द्वारा पचपदरा बाड़मेर में 9 मिलियन टन वार्षिक क्षमता की बीएस-6 मानक की अत्याधुनिक राजस्थान रिफाइनरी के काम में तेजी आई है। क्रूड/वैक्यूम डिस्टीलेशन यूनिट व डिलेड कॉकर यूनिट का करीब 94 प्रतिशत, हाइड्रोजन जनरेशन यूनिट और डीजल हाइड्रोजन यूनिट का 98 प्रतिशत से अधिक और वीजीओ-एचडीटी यूनिट आदि का काम 94 फीसदी से अधिक काम हो चुका है।

टी. रविकान्त ने निर्माणाधीन अन्य यूनिटों का दौरा करने के साथ ही रिफाइनरी के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की और काम में तेजी लाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि रिफाइनरी को जल्द से जल्द उत्पादन आरंभ करना होगा ताकि ड्रीम प्रोजेक्ट में उत्पादन आरंभ होने के साथ ही प्रदेश का सपना पूरा हो सके।

# पूर्व विधायक गिर्राज मलिंगा ने कोर्ट में किया सरेंडर, पुलिस ने सड़क पर कराई परेड

धौलपुर। जिले के बाडी क्षेत्र से पूर्व विधायक और भाजपा नेता गिर्राज सिंह मलिंगा ने बुधवार शाम 4.15 बजे शहर के एससी/एसटी कोर्ट में सरेंडर कर दिया। जहां से उसे 2 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि करीब ढाई साल पुराने एईएन मारपीट मामले में 8 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने मलिंगा को 14 दिन के अंदर कोर्ट में सरेंडर करने के आदेश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस वी रामासुब्रमण्यम और अरविंद कुमार की बेंच ने 8 नवंबर को मलिंगा की जमानत पर हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक हटा दी थी।

धौलपुर के बाड़ी डिस्कॉम ऑफिस में 28 मार्च-2022 को एईएन हर्षदापति और नितिन गुलाटी के साथ मारपीट की घटना हुई थी। प्रकरण में एईएन हर्षदापति ने तत्कालीन कांग्रेस विधायक मलिंगा और अन्य के खिलाफ 29 मार्च को मारपीट, राजकार्य में बाधा और एससी/एसटी एक्ट में केस दर्ज कराया था। केस में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। घटना के बाद विद्युत निगम के कर्मचारियों में आक्रोश भड़क गया था।

# मतगणना के लिए तैयारियां पूरी : महाजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि राज्य के 7 विधानसभा क्षेत्रों में झुंझुनू, रामगढ़, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, सलूम्बर और चौरासी के उपचुनाव का परिणाम 23 नवम्बर को घोषित होगा। प्रदेश के 7 जिला मुख्यालयों झुंझुनू, अलवर, दौसा, टोंक, नागौर, उदयपुर व डूंगरपुर पर शनिवार सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी। मतगणना के संबंध में सभी तैयारियों पूरी कर ली गई हैं। इसके लिए पर्याप्त संख्या में मतगणना कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया है। महाजन ने गुरुवार को सभी 7 जिलों के निर्वाचन अधिकारियों और रिटर्निंग अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मतगणना की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्वाचन, प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना के दौरान ईवीएम मशीनों को निर्धारित प्रोटोकाल और प्रक्रिया की पालना करने, त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और मतगणना के रुझानों तथा परिणामों की जानकारी समय-समय पर साझा करने के लिए मीडिया सेंटर का संचालन करने सहित व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

महाजन ने बताया कि 23 नवम्बर को सुबह 8 बजे सबसे पहले पोस्टल बैलेट के माध्यम से डाले गए मतों की गणना शुरू होगी। सेवा नियोजित मतदाताओं द्वारा तथा होम वोटिंग के जरिए डाले गए मतों की गिनती के लिए क्रमश: 39 और 28 टेबल स्थापित की गई हैं। राज्य के 7 विधानसभा क्षेत्रों में सेवा नियोजित मतदाताओं के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम (इटीपीबीएमएस) के जरिए कुल 5,465 मतपत्र जारी किए गए हैं।

# सोलर पैनल से सशक्त हो रहे उत्तर प्रदेश के किसान : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आयोजित 'पार्टनरशिप कॉन्क्लेव' में प्रदेश के सतत विकास और कृषि क्षेत्र में सुधार की दिशा में प्रौद्योगिकी, सरकारी योजनाओं और निजी क्षेत्र की भागीदारी को आवश्यक बताया।

'वर्ल्ड बैंक और गेट्स फाउंडेशन' के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रदेश की चुनौतियों और उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में किसानों और कृषि क्षेत्र को नई तकनीकों और संसाधनों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोलर पैनल से आज प्रदेश के किसान सशक्त हो रहे हैं और प्रदेश ऊर्जा का मजबूत केंद्र बनकर उभरा है। योगी ने 'इंसेफेलाइटिस' (दीमागी बुखार) के उन्मूलन में प्रदेश को मिली बड़ी सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 से पहले हर वर्ष इस बीमारी से 1500 से 2000 बच्चों की मौत होती थी लेकिन राज्य सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संगठन, गेट्स फाउंडेशन, यूनिसेफ और अन्य संस्थाओं के सहयोग से मात्र तीन वर्षों में इस समस्या को पूरी तरह समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि यह शासन, तकनीक और जनसहभागिता का परिणाम है कि आज प्रदेश में दिमागी बुखार से कोई मौत नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास देश की सबसे उपजाऊ भूमि और जल संसाधन हैं, जो कृषि क्षेत्र में बड़ी संभावनाएं प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्तमान में 89 कृषि विज्ञान केंद्र और छह कृषि विश्वविद्यालय हैं, जो किसानों को प्रोत्साहित करने और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। योगी ने कहा कि अब तक लगभग एक लाख किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे सिंचाई और बिजली की समस्याओं को हल करने में मदद मिली है। राज्य सरकार ने किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

## अब हम सिर्फ एक परिवार नहीं, बल्कि कई राष्ट्रीय नायकों के योगदान को जानते हैं : ओडिशा के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि सरकार 'उत्कल केशरी' हरेकृष्ण महताब के लिए स्मारक स्थापित करेगी और उनके जीवन पर एक फिल्म बनायी जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज अब ''सिर्फ एक परिवार'' के नहीं बल्कि कई राष्ट्रीय नायकों के योगदान को जानता है।

माझी ने उड़ीसा (अब ओडिशा) के पहले मुख्यमंत्री हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती के अवसर पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परोक्ष रूप से नेहरू-गांधी परिवार का जिक्र किया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि थीं, जहां कुछ पुस्तकों के विमोचन के साथ एक विशेष स्मारक टिकट और सिक्का भी जारी किया गया। महताब ब्रिटिश शासन के दौरान तत्कालीन उड़ीसा प्रांत के अंतिम प्रधानमंत्री थे। 1912 में बंगाल से काट कर बिहार और उड़ीसा प्रांत का गठन किया गया था। उसके बाद 1936 में उड़ीसा अलग राज्य बना। स्वतंत्रता के बाद यह भारत संघ का हिस्सा बना। माझी ने कहा कि महताब को उनके निधन के 37 साल बाद यह ऐतिहासिक श्रद्धांजलि दी जा रही है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, लंबे समय तक हम सिर्फ एक परिवार के योगदान को मान्यता देने में लगे रहे। यह पूरे देश में हुआ और ओडिशा में भी हुआ। उन्होंने कहा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सब बदल दिया और अब हम सिर्फ एक परिवार के बजाय कई राष्ट्रीय नायकों के योगदान को जानते हैं।

## भाजपा नीत राजग झारखंड में सरकार बनाएगा : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रांची/भाषा।** केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) झारखंड में अगली सरकार बनाएगा। चौहान ने दावा किया कि झारखंड में लोग बदलाव चाहते हैं। उन्होंने वर्तमान सरकार पर आकंठ भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून-व्यवस्था और बढ़ती घुसपैठ के माध्यम से राज्य को 'बर्बाद' करने का आरोप लगाया।

चौहान ने दिल्ली रवाना होने से पहले संवाददाताओं से कहा, मैं झारखंड से बहुत मीठी यादें लेकर जा रहा हूं। यह एक अद्भुत राज्य है। मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग सरकार बनाएगा। उन्होंने झारखंड के विशाल संसाधनों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य से गरीबी को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है।

झारखंड के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य प्रगति करेगा। मैं भी केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालयों में अपनी भूमिका के माध्यम से योगदान दूंगा। उन्होंने कहा, मैंने लोगों की आखों में भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति प्यार देखा है। वर्तमान सरकार ने कुशासन, आकंठ भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ती घुसपैठ के कारण राज्य को बर्बाद कर दिया है।

चौहान ने अनुमान व्यक्त किया की कि बरहेट और गांडेय विधानसभा क्षेत्रों के नतीजे चौंकाने वाले होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बरहेट से और उनकी पत्नी कल्पना गांडेय से प्रत्याशी हैं।

## अदाणी मामले में राहुल के बयान पर भाजपा ने कहा, 2002 से कर रहे मोदी की छवि खराब करने की कोशिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भाजपा ने अमेरिकी अभियोजकों द्वारा उद्योगपति गौतम अदाणी पर रिश्वतखोरी के आरोप लगाए जाने के बाद बृहस्पतिवार को इस संबंध में राहुल गांधी के बयान को लंबे समय से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि खराब करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा करार दिया।

भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि जहां तक अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों का सवाल है, तो यह कंपनी पर है कि वह स्पष्टीकरण जारी करके अपना बचाव करे। प्रधानमंत्री और केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ राहुल के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए पात्रा ने कहा, कानून अपना काम करेगा।

पात्रा ने यह भी कहा कि अभियोग में उल्लिखित अवधि के दौरान जिन चार राज्यों आंध्र प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ तमिलनाडु में अनुकूल शर्तों के बदले सरकारी अधिकारियों को कथित तौर पर 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की रिश्वत दी गई थी, वहां उस समय भाजपा की सरकार नहीं थी। एक ओर, कांग्रेस और उसके सहयोगी छत्तीसगढ़ व तमिलनाडु में सत्ता में थे, तो वहीं राष्ट्रीय स्तर पर सत्तापक्ष या विपक्ष से दूर रहे वाईएसआर कांग्रेस और बीजद का क्रमशः आंध्र प्रदेश और ओडिशा पर शासन था। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी, उनकी मां सोनिया गांधी और कांग्रेस 2002 से मोदी की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे सफल नहीं हुए और जिस दिन विपक्षी दल उन पर हमला कर रहा है, उसी दिन प्रधानमंत्री को विदेश में सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार मिला है।

## विपक्ष ने अदाणी मामले को लेकर प्रधानमंत्री को घेरा, उठाई जेपीसी की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** विपक्षी दलों ने उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग की।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पोस्ट किया, जब एक शीर्ष रैंकिंग वाले भारतीय व्यवसायी को किसी विदेशी देश द्वारा अभ्यारोपित किया जाता है, तो यह वैश्विक मंच पर हमारी छवि को खराब करता है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लगातार ऐसे अनैतिक व्यापारिक प्रथाओं का विरोध करती रही है, जो प्रमुख क्षेत्रों में एकाधिकार बनाने और अनुचित लाभ देकर कुछ लोगों के हाथों में धन केंद्रित करने की मोदी सरकार की नीति को लागू करके कुछ व्यक्तियों की मुनाफाखोरी और बढ़ावा देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी द्वारा बनाए गए पूंजीपतियों, समझौतावादी नौकरशाहों और कुछ राजनेताओं से जुड़े इस पूरे गठजोड़ की जांच की जानी चाहिए और इसे नष्ट किया जाना चाहिए। खरगे ने दावा किया, यह गठजोड़ हमारे लोगों, गरीबों और मध्यम वर्ग, महत्वाकांक्षी उद्यमियों, एमएसएमई, स्टार्टअप और करोड़ों छोटे और मध्यम खुदरा निवेशकों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है, क्योंकि यह बचत और अवसरों को छीनकर असमानताओं को बढ़ाता है।

## कांग्रेस और बीजद ने ओडिशा में अदाणी के भूमि खरीदने पर सवाल उठाए

**भुवनेश्वर/भाषा।** अदाणी समूह द्वारा ओडिशा में गंधमर्दन पहाड़ियों के पास जमीन खरीदने के बाद विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) एवं कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार से स्पष्टीकरण मांगकर यह जनना चाहा कि क्या कंपनी की उस क्षेत्र में खनन करने की कोई योजना है। हालांकि, अदाणी समूह ने कहा कि भूमि अधिग्रहण का उद्देश्य वनीकरण के माध्यम से स्थानीय पारिस्थितिकी को समृद्ध करना है, और उसका कोई व्यावसायिक इरादा नहीं है। वर्ष 2023 में जब बीजद सत्ता में था, तब बारगढ़ से बलांगीर जिले तक विस्तृत गंधमर्दन पहाड़ी क्षेत्र को जैव विविधता विरासत स्थल (बीएचएस) घोषित किया गया था। बीएचएस समृद्ध जैव विविधता के साथ एक अद्वितीय और नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र वाला एक क्षेत्र है।

बोलांगीर के बीजद विधायक कलिकेश सिंह देव ने कहा, सरकार को अदाणी समूह द्वारा गंधमर्दन पहाड़ी के पास भूमि अधिग्रहण के उद्देश्य पर बोलना चाहिए, जहां अनुमानित तौर पर 20.7 करोड़ टन बॉक्साइट का भंडार है। चूंकि राज्य सरकार इस मामले पर चुप है, इसलिए लोगों का संदेह बढ़ता है। उन्होंने दावा किया कि 1980 के दशक में दो जिलों के लोगों ने गंधमर्दन पहाड़ियों में बॉक्साइट खनन करने की भारत एल्युमीनियम कंपनी लि. (बाल्को) की योजना का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि लोग आवश्यकता पड़ने पर फिर आंदोलन शुरू करने के लिए तैयार हो रहे हैं और यदि कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है तो राज्य सरकार जिम्मेदार होगी। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता नरसिंह मिश्रा ने कहा कि अगर सैकड़ों औषधीय पौधों के खजाने गंधमर्दन पहाड़ियों में खनन की कोई योजना है तो पार्टी बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करेगी। हालांकि, वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि गंधमर्दन पहाड़ियों में खनन का कोई प्रस्ताव नहीं है।

## पुलिस पर हमला करने के आरोप में 100 से ज्यादा 'कार्यकर्ताओं' पर मुकदमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुजफ्फरनगर/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुजफ्फर नगर स्थित ककरौली क्षेत्र में पुलिस पर पथराव करने और जान से मारने की नीयत से हमला करने के आरोप में समाजवादी पार्टी (सपा) एवं आल इंडिया मजलिसएइत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के 100 से अधिक कथित कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सपा और एआईएमआईएम के जिलाध्यक्षों का आरोप है कि पुलिस बुधवार को मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में मतदाताओं को वोट डालने से रोक रही थी। इसका विरोध करने पर झूठे आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) आदित्य बंसल ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि ककरौली गांव में बुधवार शाम सपा एवं एआईएमआईएम के कार्यकर्ता आपस में झगड़ रहे थे और पुलिस जब बीचबचाव करने पहुंची तो मौके पर मौजूद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने पुलिस दल पर पथराव कर दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने बुधवार देर रात सपा के 15 और एआईएमआईएम के 10 नामजद तथा 90 से ज्यादा अज्ञात कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाही शुरू की है।

## असम के करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि किया गया

**गुवाहाटी/भाषा।** असम सरकार ने बृहस्पतिवार को बराक घाटी के करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। जिला मुख्यालय करीमगंज टाउन का नाम भी बदलकर श्रीभूमि टाउन कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव मुकेश चंद्र साहू ने अधिसूचना में कहा है कि असम के राज्यपाल ने करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि जिला और करीमगंज टाउन का नाम बदलकर श्रीभूमि टाउन कर दिया है। इसमें कहा गया है कि बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

असम मंत्रिमंडल ने मंगलवार को करीमगंज जिले का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का निर्णय लिया था। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा, 100 साल से भी पहले कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर ने असम के आधुनिक करीमगंज जिले को श्रीभूमि (मां लक्ष्मी की भूमि) बताया था। आज असम कैबिनेट ने अपने लोगों की इस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि जिले का नाम बदलने का निर्णय जिले के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करता है।

## अनुबंध के जरिए भर्ती 'पीडीए' के खिलाफ आर्थिक साजिश : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर नगर निगम में अनुबंध (आउटसोर्स) के जरिए तहसीलदार और कुछ अन्य पदों पर भर्ती के लिए जारी विज्ञापन को लेकर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए इसे 'पीडीए' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के खिलाफ एक आर्थिक साजिश करार दिया।

गोरखपुर नगर निगम ने स्पष्ट किया कि सम्बन्धित विज्ञापन सिर्फ सेवानिवृत्त कर्मियों से संबंधित है और इसमें कुछ भी नया नहीं है। यादव ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर एक अखबार में प्रकाशित कथित विज्ञापन की कतरन संलग्न करते हुए कहा, बेहतर होगा कि भाजपा पूरी की पूरी सरकार ही 'आउटसोर्स' कर दे तो उसका एक जगह से ही सारा कमीशन एक साथ 'सेट' हो जाए। ऐसा करने से भाजपा को 'फुटकर' में नौकरी और उसके बहाने आरक्षण को खत्म करने का महाकष्ट नहीं उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, हम तो हमेशा से कहते रहे हैं, आज फिर दोहरा रहे हैं, नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। सपा प्रमुख ने कहा, आउटसोर्सिंग पीडीए के खिलाफ एक आर्थिक साजिश है। भाजपा इस प्रस्ताव को तत्काल वापस ले और नौकरी-आरक्षण का संवैधानिक हक न छीने। घोर आपत्तिजनक, घोर निंदनीय। पीडीए कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!'' यादव ने इस टिप्पणी के साथ एक अखबार में प्रकाशित गोरखपुर नगर निगम के 18 नवंबर को जारी एक कथित विज्ञापन की कतरन संलग्न की है जिसमें अनुबंध के जरिए नायब तहसीलदार और राजस्व निरीक्षक के एक-एक और लेखपाल के पांच पदों पर भर्ती की बात कही गई है। विज्ञापन के मुताबिक, गोरखपुर नगर निगम में कार्य की अधिकता के कारण जनहित में निम्नलिखित पदों पर सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्ति की जानी है।

## लूटे गए हथियारों की बरामदगी के लिए पूरे मणिपुर में अफस्पा लागू किया जाए : कुकी विधायकों का समूह

**इम्फाल/गुवाहाटी/भाषा।** मणिपुर विधानसभा के 10 कुकी विधायकों ने मांग की है कि लूटे गए हथियारों की बरामदगी के लिए अफस्पा को पूरे राज्य में लागू किया जाए। इन विधायकों में राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के सात विधायक भी शामिल हैं। केंद्र ने 14 नवंबर को हिंसा प्रभावित जिरीबाम सहित मणिपुर के छह पुलिस थाना क्षेत्रों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को फिर से लागू कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि यह निर्णय वहां की 'लगातार अस्थिर स्थिति' को देखते हुए लिया गया। एक संयुक्त बयान में, 10 कुकी विधायकों ने कहा, 14 नवंबर, 2024 के आदेशों के अनुसार एएफएसपीए लगाने को लेकर वास्तव में शेष 13 पुलिस न्यायक्षेत्रों में अधिनियम का विस्तार करने के लिए तत्काल समीक्षा की आवश्यकता है। उन्होंने जोर दिया कि पिछले साल तीन मई से मेइती विद्रोहियों द्वारा लूटे गए 6,000 से अधिक अत्याधुनिक हथियारों की बरामदगी के लिए पूरे राज्य में एएफएसपीए लागू किया जाना चाहिए।

## ऑनलाइन गेम में लाखों रुपए गंवाने वाली छात्रा ने रची खुद के अपहरण की साजिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**झांसी/भाषा।** उत्तर प्रदेश में झांसी जिले के टोडी फतेहपुर क्षेत्र में नर्सिंग की एक छात्रा ने ऑनलाइन गेमिंग में लाखों रुपए गंवाने के बाद उनकी भरपाई के लिए कथित तौर पर खुद के अपहरण की झूठी कहानी रची और अपने परिजनों से छह लाख रुपए की फिरौती मांगी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मामले में आरोपी छात्रा और उसके चार दोस्तों को नोएडा से गिरफ्तार कर लिया गया है।

झांसी जिले की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुधा सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि टोडी फतेहपुर के निवासी बबलू रैकवार ने सोमवार को प्राथमिकी दर्ज करवाई थी कि नर्सिंग पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रही उनकी बेटी नंदनी (19) का अपहरण हो गया है और उसे छोड़ने के एवज में छह लाख रुपए की फिरौती मांगी जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को छात्रा के पहले दिल्ली में और फिर नोएडा मे मौजूद होने की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान समूह और पुलिस की टीम बुधवार को नोएडा पहुंची तो मामले की असलियत सामने आयी। एसएसपी ने बताया, छात्रा ने पूछताछ में बताया कि उसने ऑनलाइन गेमिंग (सट्टा) में करीब ढाई लाख रुपए गंवा दिए थे। इसमें उसके कुछ दोस्तों का भी धन लगा था। इसकी भरपाई के लिए उसने अपने अपहरण की झूठी कहानी रची और अपने पिता को व्हॉट्सऐप पर कॉल करवाकर फिरौती की मांग करवाई।

## पुजारा ने तीसरे नंबर पर राहुल का समर्थन किया

**पर्थ/भाषा।** ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण का उसकी सरजमीं पर कई बार सफलतापूर्वक सामना कर चुके चेतेश्वर पुजारा ने बृहस्पतिवार को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में महत्वपूर्ण तीसरे स्थान पर लोकेश राहुल के बल्लेबाजी करने का समर्थन किया और कहा कि आक्रामक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल वह करने में सक्षम हैं जो डेविड वार्नर उस समय करते थे जब अपने खेल के शीर्ष पर थे। पांच मैच की टेस्ट शृंखला शुक्रवार से यहां शुरू होगी। पुजारा ने 'स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम' में कहा, मुझे बल्लेबाजी क्रम नहीं पता। मैं उन्हें (राहुल को) नंबर तीन पर पसंद करूंगा क्योंकि उनके पास वहां बल्लेबाजी करने का अनुभव है।

## कोहली की जायसवाल को सलाह, लंबे समय तक भारत के लिए खेलना है तो अच्छी आदतें अपनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

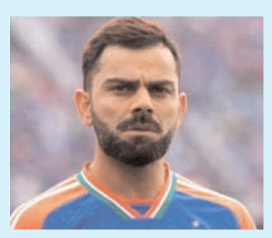

**पर्थ/भाषा।** युवा भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की है और उन्होंने कहा कि सुपरस्टार विराट कोहली की जीवन के हर पहलू में अनुशासित रहने की सलाह ही राष्ट्रीय टीम में लंबा करियर बनाने की उनकी महत्वाकांक्षा का मार्गदर्शक है।

बाइस साल के जायसवाल ने अब तक सिर्फ 14 टेस्ट खेले हैं लेकिन इस दौरान उन्होंने तीन शतक और आठ अर्धशतक की मदद से 56 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। अब वह शुक्रवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही पांच टेस्ट मैच की शृंखला के लिए तैयार हैं। जायसवाल ने 'बीसीसीआई.टीवी' से कहा, जब मैंने सीनियर क्रिकेट खेलना शुरू किया तो मैंने विराट पाजी से बात की कि वह खुद को कैसे मैनेज करते हैं। उन्होंने कहा, पाजी (कोहली) ने मेरे से कहा कि अगर मुझे इतना क्रिकेट खेलना है (जितना उन्होंने खेला है) तो मुझे अपनी दिनचर्या में अनुशासित होना होगा और प्रक्रिया का पालन करना होगा। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने उन्हें (कोहली) दिन-प्रतिदिन लगातार ऐसा करते देखा है। वह मुझे खुद पर काम करने और अपनी आदतों में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके बाद जायसवाल ने अपनी दिनचर्या के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा अपने काम में निरंतरता पर विश्वास किया है। जब भी मैं अभ्यास के लिए जाता हूं तो मेरे पास हमेशा एक योजना होती है। मेरा ध्यान उबरने पर होता है, अगले अभ्यास के लिए तरोताजा रहना और अपने खान-पान का ध्यान रखना।

यशस्वी जायसवाल ने कहा, भारत के लिए खेलने की इच्छा मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। मुझे यह अवसर मिलना वाकई सौभाग्य की बात है और मैं इसके लिए तैयार हूं।

मुंबई के इस बल्लेबाज ने परिस्थितियों से तेजी से सामंजस्य बैठाने की टीम की क्षमता पर कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह के भरोसा से सहमति जताई। उन्होंने कहा, यह अलग जगह है। गेंद एक अलग ऊंचाई पर आती है लेकिन हम सभी जानते हैं और हम मानसिक रूप से तैयार हैं।

## कप्तानी को एक पद नहीं, जिम्मेदारी के रूप में देखता हूं : बुमराह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पर्थ/भाषा।** जसप्रीत बुमराह को हमेशा से जिम्मेदारी लेना और चुनौतियों का सामना करना पसंद है और यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी को लेकर वह रोमांचित हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ 2022 के एडबस्टन टेस्ट के बाद वह दूसरी बार रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में कप्तान होंगे। उन्होंने पहले टेस्ट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मैं कप्तानी को एक पद के तौर पर नहीं देखता। मुझे हमेशा से जिम्मेदारियां उठाना पसंद रहा है। उन्होंने कहा, मैं बचपन से कठिन काम करने का शौकीन रहा हूं। कठिन हालात में काम करना मुझे पसंद है और यह एक नई चुनौती है। उन्हें पता है कि यह जिम्मेदारी एक टेस्ट के लिए ही है लेकिन इससे इनकार नहीं है कि वह भविष्य में कप्तानी करना चाहेंगे।

बुमराह ने कहा, स्वाभाविक है कि रोहित को मैं नहीं बोलूंगा कि मैं कर लेता हूं। वह हमारा कप्तान है और बेहतरीन काम कर रहा है। अभी यह एक मैच के लिए है लेकिन भविष्य के बारे में कौन जानता है। उन्होंने कहा, अगले मैच में हालात बदल सकते हैं और क्रिकेट में ऐसा ही होता है। मैं फिलहाल वर्तमान में जी रहा हूं। मुझे एक जिम्मेदारी मिली है जो मैं पहले भी एक बार उठा चुका हूं और मुझे बहुत मजा आया। मैं यही सोच रहा हूं कि अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ योगदान कैसे दे सकता हूं। भविष्य पर मेरा वश नहीं है। उनका मानना है कि किसी और की कप्तानी शैली की नकल करने से काम नहीं चलता। उन्होंने कहा, आपको किसी की नकल करने की बजाय अपनी शैली तलाशनी होगी। विराट और रोहित काफी कामयाब रहे हैं और नतीजे भी दिए हैं। मेरा तरीका यही है कि मैं कॉपीबुक रणनीति पर अमल नहीं करता। बुमराह ने कहा, मेरी गेंदबाजी में भी आपको दिखेगा कि मेरी अपनी शैली है। मैने हमेशा ऐसे ही क्रिकेट खेली है। उनका मानना है कि तेज गेंदबाज रणनीति के माहिर होते हैं और अच्छे कप्तान बनते हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का उदाहरण दिया। बुमराह ने हमेशा से खुद को नेतृत्व दल का हिस्सा माना है। उन्होंने कहा, जब रोहित होता है या विराट कप्तान था, तब भी मैं हमेशा अतिरिक्त योगदान देना चाहता था। मैने उनसे सीखने की कोशिश की और अब नए खिलाड़ियों के साथ में अपना अनुभव बांटता हूं।

## सुविचार

जिंदगी में सारा झगड़ा ख़्वाहिशों का हैं,
न तो किसी को गम चाहिए और
न ही किसी को कम चाहिए!

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# खेलकूद से दूरी, दे रही बीमारी!

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने डिजिटल दुनिया के बढ़ते प्रभाव के बीच युवाओं के शारीरिक खेलों से दूर होकर डिजिटल खेलों में ज्यादा व्यस्त रहने के संबंध में जो चिंता जताई है, वह स्वाभाविक है। वास्तव में यह कई अभिभावकों की चिंता है। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे बाहर मैदान में जाएं, खेलकूद में भाग लें, प्रकृति को करीब से देखें और स्वस्थ रहें। इसके उलट, बहुत बड़ी तादाद उन बच्चों की है, जिन्हें जब मौका मिलता है, वे मोबाइल फोन या लैपटॉप की स्क्रीन पर नजरें जमाकर बैठ जाते हैं। उनकी दुनिया उस स्क्रीन तक ही सीमित रह गई है। आधुनिक तकनीक में रुचि होना गलत नहीं है। इसकी पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए, लेकिन प्रकृति से दूरी तन और मन के लिए बहुत हानिकारक होती है। इसके दुष्प्रभाव एक-दो दिनों में दिखाई नहीं देते, बल्कि महीनों, वर्षों बाद पता चलता है कि हमने बहुत कुछ गंवा दिया है। हमें प्रभु श्रीराम, श्रीकृष्ण की बाल्यावस्था के बारे में पढ़ना चाहिए। त्रेता और द्वापर युग के अन्य योद्धाओं के बारे में जानना चाहिए। वे सभी इस देश की मिट्टी में खेले-कूदे थे। प्रकृति की गोद में खेलकूद बच्चों को बलिष्ठ बनाता है, उनके स्वास्थ्य की रक्षा करता है। कई अध्ययन इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि जो बच्चे प्रकृति के जितने करीब रहते हैं, उनकी रोगप्रतिरोधक क्षमता उतनी ही मजबूत होती है। वहीं, जो बच्चे दिन-रात स्क्रीन की दुनिया में खोए रहते हैं, जो खेलकूद में बिल्कुल भाग नहीं लेते, उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं जल्दी घेर लेती हैं।

हमारी शिक्षा व्यवस्था में खेलों को बहुत कम महत्त्व दिया गया है। बंद इमारतों में बहुत सारे बच्चों को बैठाकर उन पर विभिन्न विषयों का जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देना और उन्हें खेलकूद संबंधी गतिविधियों से दूर रखना ... क्या यह उनके बचपन के साथ अत्याचार नहीं है? देश में कई 'स्कूल' तो ऐसे हैं, जहां खेलकूद के लिए जगह ही नहीं है। अगर सरकारें बुनियादी सुविधाओं से युक्त मैदान तैयार करने और बच्चों के लिए विभिन्न खेलकूद गतिविधियों में भाग लेना अनिवार्य करें तो देशवासी कई स्वास्थ्य समस्याओं से सुरक्षित हो सकते हैं। याद करें, अस्सी और नब्बे के दशक तक डायबिटीज कितने लोगों को होती थी? बड़े शहरों में गिनती के लोग इसके मरीज होते थे। गांवों में बुजुर्ग भी गुड़, शहद, बतासे, लड्डू खूब खाते थे। वहां शायद ही किसी को डायबिटीज होती थी। लोग खेतों में खूब पसीना बहाते थे। अपने दम पर बोझा ढोते थे। बच्चे खेत-खलिहान की ओर दौड़ते हुए जाते थे। बाद में, उनमें से कितने ही सशस्त्र बलों में भर्ती हो गए। तब सुविधाएं कम थीं, लेकिन आज की तुलना में लोग शारीरिक रूप से ज्यादा स्वस्थ थे। अब महानगरों की बात ही छोड़ें, गांव के बच्चे भी कई बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। उन्हें छोटी उम्र में नजर का चश्मा लग जाता है। कितने ही बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें युवावस्था तक पहुंचते-पहुंचते अनिद्रा, सिरदर्द, कमर दर्द, कब्ज, पथरी, बवासीर जैसी दिक्कतें परेशान करने लगती हैं। वे न तो ज्यादा गर्मी बर्दाश्त कर पाते हैं और न ज्यादा सर्दी ही उनसे सहन होती है। बरसात का मौसम, जो बच्चों को बहुत पसंद होता है, की फुहारें उन्हें बीमार कर देती हैं! वे साफ मिट्टी पर भी नंगे पांव चलने से असहज महसूस करते हैं। प्रकृति से यह दूरी उन्हें बीमार क्यों नहीं बनाएगी? हमें याद रखना होगा कि मनुष्य का शरीर प्रकृति से दूर रहने के लिए नहीं बना है। जो इससे जितना दूर जाएगा, उतना ही रोगग्रस्त होगा। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए पढ़ाई और तकनीकी ज्ञान, दोनों जरूरी हैं। इनके साथ खेलकूद संबंधी गतिविधियों का होना भी बहुत जरूरी है। जीवन में सफलता का आनंद तभी है, जब तन और मन स्वस्थ हों। स्वास्थ्य को चौपट करने के बाद मिली सफलता बहुत घाटे का सौदा होती है।

## सामयिक

खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़के इसी तरह इंसानों को निगल रही है, मौत का ग्रास बना रही है। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं।

# कातिल सड़कों पर तबाह होता जीवन एक गंभीर चुनौती

ललित गर्ग
मो.: 9811051133

अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कर, चार की मौत। दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के दो मेडिकल छात्रों की मौत। लखनऊ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत। उत्तराखंड के देहरादून में 12 नवंबर को हुए सड़क हादसे में 6 छात्रों की मौत। ऐसे अनेक सड़क हादसे पिछले दो-तीन दिन में हुए है। वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ये कातिल सड़क हादसे गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। देश की इन कातिल एवं खूनी सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है।

भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत की जीडीपी का करीब तीन से पांच फीसदी हिस्सा सड़क हादसों में लगा है। न केवल भारत बल्कि विश्व में सड़क यातायात में मौत या जख्मी होना कुछ बहुत बड़ी परेशानियों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष 13 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार व्यक्ति की मौत हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है।

परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य 'दुर्घटना से देर भली' पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'द लांसेट' में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खुनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना शामिल हैं।

भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती है, उस पर दुख व्यक्त करती है, मुआवजे का ऐलान भी करती है लेकिन बड़ा प्रश्न है कि दुर्घटनाएं रोकने के गंभीर एवं प्रभावी उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सचाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है। भारत में साल 2022 में सड़क हादसों में 1,68,491 लोगों की मौत हुई थी. वहीं, साल 2023 में सड़क हादसों में करीब 1,73,000 लोगों की मौत हुई. यानी, साल 2023 में हर दिन औसतन 474 लोगों की मौत हुई। परिवहन मंत्रालय की ऐसी जानकारी चौंकाती भी है एवं शर्मसार भी करती है। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़के केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगुनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी।

खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़के इसी तरह इंसानों को निगल रही है, मौत का ग्रास बना रही है। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं। बड़ा प्रश्न है कि फिर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब मार्ग दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। कुशल ड्राइवरों की कमी को देखते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोलने की तैयारी सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ करना होगा। हमारी ट्रेफिक पुलिस एवं उनकी जिम्मेदारियों से जुड़ी एक बड़ी विडम्बना है कि कोई भी ट्रेफिक पुलिस अधिकारी चालान काटने का काम तो बड़ा लगन एवं तन्मयता से करता है, उससे भी अधिक रिश्वत लेने का काम पूरी जिम्मेदारी से करता है, प्रधानमंत्रीजी के तमाम भ्रष्टाचार एवं रिश्वत विरोधी बयानों एवं संकल्पों के यह विभाग धडल्ले से रिश्वत वसूली करता है, लेकिन किसी भी अधिकारी ने यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वालों को कोई प्रशिक्षण या सीख दी हो, नजर नहीं आता। यह स्थिति दुर्घटनाओं के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है।

जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेघड़क घुमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती है। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है। यह गंभीर चिंता का विषय है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं फैशन का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती या फैशन है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है?

## ट्वीटर टॉक

'चेतावनी रा चूंगटिया' के माध्यम से भारत के स्वतंत्रता प्रेमियों की आत्मा की पुकार लिखने वाले केसरी सिंह बारहठ जी की जयंती पर वंदन। केसरी सिंह जी हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के महान पुरोधा थे, जिन्होंने परिवार सहित सब कुछ न्योछावर कर दिया था।

**-ओम बिरला**

आज मुख्यमंत्री कार्यालय में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उन्हें विभागीय कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने एवं जनहित में त्वरित कार्यवाही हेतु विशेष निर्देश प्रदान किए।

**-भजनलाल शर्मा**

महान स्वतंत्रता सेनानी,अमर नायक कवि एवं पत्रकार केसरी सिंह बारहठ की जयंती पर सादर नमन । 'राजस्थान केसरी' के माध्यम से उन्होंने लोगों को जागरूक करने का काम किया।उनका जीवन तथा कृतित्व हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। देश सदैव आप को याद रखेगा।

**-वसुंधरा राजे**

## प्रेरक प्रसंग

### संगीत साधना का जुनून

मात्र बारह वर्ष की उम्र में पं. रविशंकर अपने बड़े भाई उदय शंकर के नृत्य दल के साथ पेरिस में थे। एक दिन वे संगीत कार्यक्रम में पहुंचे, जहां महान सितारवादक उस्ताद इनायत खान साहब का कार्यक्रम था। जब उस्ताद साहब ने सितार बजाया, तो बाल रविशंकर मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के बाद वे सीधे उस्ताद साहब के पास गए और बोले, 'मैं आपसे सितार सीखना चाहता हूं।' उस्ताद ने पूछा, 'बेटा, क्या तुम जानते हो कि सितार सीखने का मतलब क्या है? यह कोई खेल नहीं है।' रविशंकर ने दृढ़ता से कहा, 'मैं समझता हूं उस्ताद जी। मैं पूरी लगन से सीखूंगा।' उस्ताद ने कहा, 'ठीक है। कल सुबह आ जाओ।' अगले दिन से रविशंकर का कठिन साधना का दौर शुरू हुआ। वे सुबह 4 बजे उठते, रियाज करते। दिन में नृत्य की प्रैक्टिस और रात को फिर सितार। कई बार उंगलियों से खून निकलता, लेकिन वे नहीं रुके। एक दिन उस्ताद ने कहा, 'रवि, तुम्हें तय करना होगा नृत्य या सितार। दोनों साथ नहीं चल सकते।' रविशंकर ने तत्काल निर्णय लिया। उन्होंने नृत्य छोड़ दिया और पूरी तरह सितार को समर्पित हो गए। सात वर्षों तक वे गुरु के साथ मेहनत करते रहे।

## नजरिया

# युवा भारतीय महिलाओं की उभरती आकांक्षाएं

प्रियंका सौरभ
मो.: 7015375570

पिछले एक दशक में युवा भारतीय महिलाओं की आकांक्षाओं में एक परिवर्तनकारी बदलाव देखा गया है, जो उनकी बढ़ती स्वायत्तता, शिक्षा और कार्यबल में भागीदारी को दर्शाता है। यह विकास भारत के सामाजिक परिदृश्य को महत्त्वपूर्ण रूप से पुनर्परिभाषित कर रहा है। उच्च शिक्षा और कौशल विकास में लड़कियों की अब लड़कों के बराबर शैक्षिक उपलब्धि है, जिसमें 50% से अधिक युवा महिलाएँ कक्षा 12 पूरी कर रही हैं और 26% कॉलेज की डिग्री प्राप्त कर रही हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (2017-18) उच्च शिक्षा में महिलाओं के बढ़ते नामांकन पर प्रकाश डालता है, जिसमें महिला सकल नामांकन अनुपात 27.3% तक पहुँच गया है। युवा महिलाएँ विभिन्न कैरियर पथों और डिजिटल कौशल प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच से प्रभावित होकर पेशेवर महत्त्वाकांक्षाओं को तेज़ी से प्राथमिकता दे रही हैं। स्किल इंडिया मिशन और स्टेम फ़ॉर गर्ल्स इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने तकनीकी क्षेत्रों में युवा महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा दिया है।

विवाह की औसत आयु 2005 में 18.3 वर्ष से बढ़कर 2021 में 22 वर्ष हो गई है, जिसमें अधिक युवा महिलाएँ अनुकूलता के आधार पर साथी चुनती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 52% महिलाओं ने साथी चयन में अपनी बात रखी, जो 2012 में 42% थी। कई युवा महिलाएँ आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास कर रही हैं, विशेष रूप से उद्यमिता के माध्यम से, क्योंकि सरकार महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए समर्थन दे रही है। उदाहरण के लिए: नीति आयोग द्वारा महिला उद्यमिता मंच ने 10, 000 से अधिक महिला उद्यमियों के नेटवर्क को बढ़ावा दिया है। युवा महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय शासन में बढ़ती भागीदारी के साथ राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हैं। ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वयं

सहायता समूह सदस्यता 2012 में 10% से बढ़कर 2022 में 18% हो गई। ये आकांक्षाएँ पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं और मानदंडों को चुनौती दे रही हैं। जैसे-जैसे अधिक महिलाएँ करियर बना रही हैं, घरों में पारंपरिक लैंगिक अपेक्षाएँ बदल रही हैं। मनरेगा पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन प्रदान करता है, जो ग्रामीण घरेलू गतिशीलता को प्रभावित करता है। अधिक शिक्षा और आय के साथ, युवा महिलाओं का अब परिवार के वित्तीय और सामाजिक निर्णयों में अधिक प्रभाव है।

स्वयं सहायता समूहों ने ग्रामीण महिलाओं को सामूहिक रूप से घरेलू वित्त का प्रबंधन करने के लिए सशक्त बनाया है। बाद में विवाह करने और साथी चुनने में सक्रिय भागीदारी की ओर बदलाव ने अरेंज मैरिज की पारंपरिक संरचना को चुनौती दी है। बाल विवाह में कमी और बाद में विवाह करने को प्राथमिकता देने की रिपोर्ट करता है। बढ़ती स्वतंत्रता ने सामाजिक प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए शिक्षा या काम के लिए महिलाओं की अकेले यात्रा को सामान्य बना दिया है। 2012 में 42% की तुलना में अब 54% महिलाएँ बस या ट्रेन से अकेले यात्रा करने में सहज महसूस करती हैं। युवा महिलाएँ पेशेवर सेटिंग्स में लैंगिक समानता के बारे में तेज़ी से मुखर हो रही हैं, कानूनी और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा दे रही हैं। पोष अधिनियम (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम) , 2013 ने महिलाओं को कार्यस्थल के मुद्दों को प्रभावी ढंग से सम्बोधित करने के लिए सशक्त बनाया है। स्वयं सहायता समूह और ग्राम सभाओं में युवा महिलाएँ शासन में महिलाओं की भूमिका पर पारंपरिक विचारों को चुनौती दे रही हैं। केरल कुदुम्बश्री मिशन महिला-नेतृत्व वाले शासन को बढ़ावा देता है, जिसने राज्यों में इसी तरह के मॉडल को प्रेरित किया है।

भारतीय महिलाएँ ऊर्जा से लबरेज, दूरदर्शिता, जीवन्त उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में, हमारे लिए महिलाएँ न केवल घर की रोशनी हैं, बल्कि इस रौशनी की लौ भी हैं। अनादि काल से ही महिलाएँ मानवता की प्रेरणा का स्रोत रही हैं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से लेकर भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले तक, महिलाओं ने बड़े पैमाने पर समाज में बदलाव के बडे. उदाहरण स्थापित किए हैं। 2030 तक पृथ्वी को मानवता के लिए स्वर्ग समान जगह बनाने के लिए भारत सतत विकास लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ चला है। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण करना सतत विकास लक्ष्यों में एक प्रमुखता है। वर्तमान में प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, समावेशी आर्थिक और सामाजिक विकास जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया है।

महिलाओं में जन्मजात नेतृत्व गुण समाज के लिए संपत्ति हैं। प्रसिद्ध अमेरिकी धार्मिक नेता ब्रिघम यंग ने ठीक ही कहा है कि जब आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं, तो आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं। जब आप एक महिला को शिक्षित करते हैं तो आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं।

स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाएँ न केवल ख़ुद को सशक्त बना रही हैं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की मजबुती में को भी योगदान दे रही है। सरकार के निरन्तर लगातार आर्थिक सहयोग से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में उनकी भागीदारी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। पिछले 6-7 वर्षों में महिला स्वयं सहायता समूहों का अभियान और तेज हुआ है। आज देश भर में 70 लाख स्वयं सहायता समूह हैं। महिलाओं के पराक्रम को समझने की ज़रूरत है, जो हमें महिमा की अधिक ऊंचाइयों तक पहुँचाएगी। आइए हम उन्हें आगे बढ़ने और फलने-फूलने में मदद करें। महिलाओं के सर्वांगीण सशक्तिकरण के लिए 'अमृत काल' इन्हें समर्पित हो। युवा भारतीय महिलाओं की उभरती आकांक्षाएँ भारत के सामाजिक ताने-बाने को उत्तरोत्तर रूप से परिभाषित कर रही हैं, एक ऐसे समाज को बढ़ावा दे रही हैं जहाँ लैंगिक समानता और महिलाओं की एजेंसी आदर्श बन गई है। सहायक नीतियों को सुनिश्चित करने से इस बदलाव में तेज़ी आ सकती है, जिससे समावेशी और सशक्त भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# अमेरिका के नामित रक्षा मंत्री हेगसेथ के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों का खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सांता क्रूज (अमेरिका)। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रक्षा मंत्री के तौर पर नामित पीट हेगसेथ पर 2017 में एक महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। बुधवार को सार्वजनिक की गई एक विस्तृत जांच रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। जांच रिपोर्ट के अनुसार महिला ने पुलिस को बताया कि 2017 में पीट हेगसेथ (44) ने उसका यौन उत्पीड़न किया था। महिला ने कहा कि हेगसेथ ने उसका फोन ले लिया, कैलिफोर्निया के होटल के कमरे में बंद कर दिया और उसे बाहर नहीं जाने दिया था। 'फॉक्स न्यूज' के प्रस्तोता हेगसेथ ने उस समय पुलिस को बताया था कि यह संबंध सहमति से बने थे और उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया था।

आरोपों के बारे में खबर पिछले सप्ताह तब सामने आई जब स्थानीय अधिकारियों ने एक संक्षिप्त बयान जारी कर पुष्टि की कि एक महिला ने अक्टूबर 2017 में हेगसेथ पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, जब वह मोंटेरे में रिपब्लिकन पार्टी के महिला कार्यक्रम में गए थे। हेगसेथ के वकील ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। पुलिस की 22 पन्नों की रिपोर्ट सार्वजनिक रिकॉर्ड जारी करने के अनुरोध के जवाब में जारी की गई और इसमें महिला के साथ कथित तौर पर जो कुछ हुआ उसका पहला विस्तृत विवरण दिया गया है-जो घटनाक्रम पर हेगसेथ के बयान से अलग है। रिपोर्ट में कथित पीड़िता, उसका इलाज करने वाली एक नर्स, होटल के एक कर्मचारी, कार्यक्रम में मौजूद एक अन्य महिला और हेगसेथ के साथ पुलिस साक्षात्कार का हवाला दिया गया है। महिला का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया।

ट्रंप के एक प्रवक्ता ने कहा कि रिपोर्ट हेगसेथ के वकीलों द्वारा कही गई बातों की पुष्टि करती है: घटना की पूरी तरह से जांच की गई थी और कोई आरोपपत्र दाखिल नहीं किया गया क्योंकि पुलिस ने आरोपों को झूठा पाया। रिपोर्ट में यह नहीं कहा गया है कि पुलिस ने आरोप को झूठा बताया। पुलिस ने सिफारिश की है कि मामले की रिपोर्ट समीक्षा के लिए मोंटेरे काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय को भेजी जाए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच अधिकारियों को कथित उत्पीड़न के बारे में सबसे पहले एक नर्स ने बताया था, जिसने एक मरीज द्वारा यौन उत्पीड़न जांच का अनुरोध करने के बाद उन्हें फोन किया था। मरीज ने चिकित्सा कर्मियों को बताया कि उसके साथ पांच दिन पहले भी उत्पीड़न की घटना हुई थी लेकिन उसे घटना पूरी तरह याद नहीं है। उसने बताया कि होटल के कमरे में पहुंचने से पहले उसके पेय पदार्थ में कुछ मिलाया गया था, जहां उत्पीड़न की घटना हुई। वर्ष 2017 में कथित घटना के समय, हेगसेथ अपनी दूसरी पत्नी से तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहे थे, जिनसे उनके तीन बच्चे हैं।

# नेपाल के राष्ट्रपति ने भारतीय सेना के प्रमुख जनरल द्विवेदी को मानद उपाधि से सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने 1950 में शुरू हुई दशकों पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को नेपाल सेना के जनरल की मानद रैंक से सम्मानित किया, जो दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। पांच-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जनरल द्विवेदी अपने नेपाली समकक्ष जनरल अशोक सिगडेल के आमंत्रण पर पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए बुधवार को यहां पहुंचे।

राष्ट्रपति पौडेल ने अपने आधिकारिक आवास शीतल निवास पर जनरल द्विवेदी को मानद उपाधि प्रदान की। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दिन में जनरल द्विवेदी ने यहां नेपाली सेना के मुख्यालय में जनरल सिगडेल से मुलाकात की और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग से संबंधित मामलों पर चर्चा की। उन्होंने काठमांडू के टुंडीखेल में सेना मंडप में बीर स्मारक (शहीद स्मारक) पर पुष्पचक्र अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। सेना मुख्यालय में उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। अपनी यात्रा के दौरान द्विवेदी काठमांडू के बाहरी इलाके शिवपुरी में 'आर्मी स्टाफ कॉलेज' का दौरा करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि उनकी योजना विमान के जरिये पर्वतीय क्षेत्र का भ्रमण करने की भी है। जनरल द्विवेदी के साथ उनकी पत्नी और भारतीय सेना की 'आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन' की अध्यक्ष सुनीता द्विवेदी भी हैं।

## प्रदर्शन

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री हरेकृष्ण महताब की 125वीं जयंती के अवसर पर कलाकार महात्मा गांधी मार्ग, भुवनेश्वर में पारंपरिक मार्शल आर्ट पाइका अखाड़ा का प्रदर्शन करते हुए।

# जब तक अटकलों की पुष्टि ना हो वे झूठी होती हैं : अमिताभ

मुंबई/दक्षिण भारत । सिने अभिनेता अमिताभ बच्चन ने मीडिया में गलत सूचना प्रसारित किए जाने पर निराशा प्रकट करते हुए अपने ब्लॉग में कहा कि अटकलों की पुष्टि जब तक ना हों, वे झूठी होती हैं। बच्चन (82) ने कहा कि वह अपने परिवार के बारे में सार्वजनिक रूप से बहुत कम चर्चा करते हैं, क्योंकि वह निजता का सम्मान करते हैं और इसे बनाए रखने में विश्वास रखते हैं। बच्चन ने लिखा, अलग दिखने और जीवन में इसकी उपस्थिति पर विश्वास करने के लिए बहुत साहस, दृढ़ विश्वास और ईमानदारी की आवश्यकता होती है...मैं परिवार के बारे में बहुत कम बोलता हूं, क्योंकि वह मेरा क्षेत्र है और इसकी निजता मैं बनाए रखता हूं। अभिनेता ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस संदर्भ में यह टिप्पणी कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि इन दिनों सूचनाओं की समुचित पुष्टि नहीं की जाती है और अक्सर उनका इस्तेमाल वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए रणनीतिक रूप से किया जाता है।

उन्होंने कहा, अटकलें तो अटकलें ही होती हैं...वे बिना किसी सत्यता की जांच के अनुमान होते हैं। सत्यापन चाहने वाले अपने व्यवसाय और अपने पेशे के विज्ञापनों को प्रमाणित करने के लिए सत्यापन चाहते हैं...मैं उनकी अपनी पसंद के पेशे में रहने की इच्छा को चुनौती नहीं दूंगा...और मैं समाज की सेवा में उनके प्रयास की सराहना करूंगा। अभिनेता ने सवालिया निशान के साथ साझा की जाने वाली सूचना का भी जिक्र किया है। बच्चन ने कहा कि प्रश्नवाचक चिह्न के साथ दी गई कोई भी जानकारी पाठकों के लिए एक जाल है। अभिनेता ने कहा, जब आप किसी जानकारी के आगे प्रश्नवाचक चिह्न लगाते हैं, तो आप न केवल यह कह रहे होते हैं कि लेख संदिग्ध हो सकता है...बल्कि आप गुप्त रूप से यह भी चाहते हैं कि पाठक उस पर विश्वास करे और उसे आगे बढ़ाए, ताकि आपके लेख को लोग आगे प्रसारित करें।

# फिल्म, 'अग्नि' का ट्रेलर रिलीज किया

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने आज हिंदी फिल्म 'अग्नि' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। 'अग्नि' हिंदी सिनेमा में फायरफाइटर्स की पहले कभी नहीं बताई गई कहानी है, जो फायरफाइटर्स की निर्भीक भावना, सम्मान और बलिदान को समर्पित एक सिनेमाई श्रद्धांजलि है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फ़िल्म निर्माता राहुल ढोलकिया द्वारा निर्देशित और लिखित यह फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है, जिसमें प्रतीक गांधी और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सैयामी खेर, साय तम्हंकर, जितेंद्र जोशी, उदित अरोड़ा और कबीर शाह महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 06 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर भारत और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्रीमियर होने वाली है।

राहुल ढ़ोलकिया ने कहा,अग्नि के साथ, मुझे एक ऐसी कहानी जीवित करने का अवसर मिला है, जो न केवल हमारे फायरफाइटर्स की बहादुरी का जश्न मनाती है, बल्कि उनके भावनात्मक यात्रा को भी दर्शाती है।फायरफाइटर्स असली हीरो होते हैं, जो केवल आग बुझाने का काम नहीं करते,वे जान बचाते हैं, आपदाओं का सामना करते हैं और अटूट समर्पण के साथ अनगिनत उच्च जोखिम वाली चुनौतियों का सामना करते हैं। उनका साहस अक्सर उन्हें चुनौतीपूर्ण और खतरनाक स्थितियों में डाल देता है, जो कभी-कभी हमारे अपने कार्यों से और बढ़ जाता है। यह कहानी उनके बलिदान, निष्ठा और सहनशीलता की श्रद्धांजलि है, और मुझे आशा है कि यह दर्शकों को प्रेरित करेगी, जिससे वे इन निस्वार्थ संरक्षकों को हमारे समाज में पहचानें और सराहें।

# मेरे जैसा अभिनेता लोगों से दूर नहीं रह सकता : मनोज बाजपेयी

पणजी। अभिनेता मनोज बाजपेयी ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक कलाकार को दीवार पर बैठी मक्खी की तरह होना चाहिए, ताकि वह फिल्मों के पात्रों को अधिक वास्तविक बनाने के लिए प्रेरणा हासिल कर सके। दीवार पर बैठी मक्खी मुहावरे का अर्थ किसी जगह पर गुपचुप मौजूद रहते हुए चीजों को बारीकी से देखना-सुनना है। 'सत्या', 'शूल', 'गैंग्स ऑफ वसेपुर' और 'गली गुलियां' जैसी फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए लोकप्रिय अभिनेता बाजपेयी ने कहा कि उन्होंने हमेशा लोगों से जुड़े रहने का प्रयास किया है और वह आज भी सेल्फी पोस्ट करने के बजाय बाजार जाकर सब्जियां खरीदना पसंद करते हैं। पणजी में भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में एक मास्टरक्लास के दौरान अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि सेल्फी मेरी निजता का उल्लंघन करती हैं, आजकल तो मेरी पत्नी भी मेरे इतनी करीब नहीं है। सच कहूं तो, अगर मैं अपनी कार की खिड़कियां बंद रखूंगा, तो मैं लोगों के करीब कैसे रहूंगा? मैं कैसे समझूंगा कि वे किस दौर से गुजर रहे हैं? मैं उन किरदारों को कैसे समझ पाऊंगा।

उन्होंने कहा, मैं लोगों से जितना कटता जाऊंगा, सफर में उतना ही पिछड़ता चला जाऊंगा। मेरे जैसा अभिनेता लोगों से दूर नहीं रह सकता। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता बाजपेयी (55) ने कहा कि अपने 30 साल के करियर में वह कभी भी 'स्टारडम' के पीछे नहीं भागे।

जयपुर में गुरुवार को गायक और संगीत निर्माता हनी सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुँचे।

## प्रस्तुति

अभिनेत्री मानुषी छिल्लर पणजी के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में 55वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन के दौरान प्रस्तुति देती हुई।

# पूजा हेगड़े ने चेन्नई में 'थलपति 69' की शूटिंग की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा हेगड़े चेन्नई में अपनी आने वाली फिल्म थलपति 69 की शूटिंग कर रही हैं। हाल ही में यह घोषणा की गई थी कि पूजा हेगड़े, थलपति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म थलपति 69 में उनके साथ काम करेंगी।

थलपति 69 की शूटिंग बढ़ने के साथ ही पूजा अपने प्रशंसकों को सेट की झलकियों से अपडेट रख रही हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम स्टोरी में, उन्होंने चेन्नई का एक शांत दृश्य साझा किया, जहां टीम वर्तमान में शूटिंग कर रही है। पोस्ट को कैप्शन देते हुए पूजा ने लिखा, चेन्नई मॉर्निंग्स डे 16, पूजा ने खुलासा किया कि उनका दिन सुबह 6:30 बजे शुरू होता है।

तमिल, तेलुगु और हिंदी सहित कई भाषाओं में अक्टूबर 2025 में रिलीज़ होने के लिए तैयार, थलपति 69, एच. विनोथ द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस के तहत वेंकट के. नारायण द्वारा निर्मित है।थलपति 69 के अलावा, पूजा हेगड़े, देवा और सूर्या 44 में भी काम कर रही हैं।

# 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में बसंती का किरदार निभाने के लिए करुणा पांडे ने सीखा कानपुरी लहजा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री करुणा पांडे ने सोनी सब के शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में बसंती का किरदार निभाने के लिए कानपुरी लहजा सीखा। सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल ने दर्शकों को पुष्पा की प्रेरक कहानी से आकर्षित किया है, जो एक दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला है। वह जीवन की चुनौतियों का साहस और आशावाद के साथ सामना करती है। पुष्पा का किरदार निभाने वाली करुणा पांडे ने हाल ही में शो में दोहरी भूमिका निभाई है। इसमें वह पुष्पा और उसकी हमशक्ल बसंती दोनों की भूमिका में हैं। कहानी में एक चौंकाने वाला मोड़ आता है, जिसमें कानपुर में रहने वाली बसंती मुंबई में पुष्पा के परिवार में पहुंच जाती है, जबकि असली पुष्पा खुद

को बसंती की जगह कानपुर में पाती है। करुणा पांडे ने बताया कि कैसे उन्होंने बसंती की भूमिका निभाने के लिए कानपुर की बोलने की शैली को अपनाया और कैसे एक कलाकार होना और हर दिन कुछ नया सीखना मजेदार है।करुणा पांडे ने कहा,बसंती की भूमिका निभाने से मेरे जीवन में नई चुनौतियां और अनोखे अनुभव आए हैं। बसंती को भरोसेमंद तरीके से चित्रित करने के लिए मुझे ग्रामीण जीवन की बारीकियों में उतरना पड़ा क्योंकि वह कानपुर के चुन्नीगंज नामक स्थान से आती है। इससे मुझे परफॉर्मेंस को और अधिक यथार्थवादी बनाने में मदद मिली।मैंने कानपुर का लहजा सीखने का काम अपने हाथ में लिया, जो मुझे शुरू में मुश्किल लगा। यह ऐसी चीज नहीं थी जिसकी मुझे आदत थी। प्रोडक्शन टीम ने एक लैंग्वेज इंस्ट्रक्टर मुहैया कराया जो सेट पर मेरे साथ रहता है और जब भी मैं कोई गलती करती हूँ तो मेरा मार्गदर्शन करता है। यह सहयोग अमूल्य रहा है, जिससे मुझे बोली को बेहतर बनाने और बसंती के किरदार में प्रामाणिकता लाने में मदद मिली। सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल हर सोमवार से शनिवार रात 9.35 प्रसारित होता है।

# आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली वेब सीरीज 2025 में नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान के बेटे आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली वेब सीरीज 2025 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स ने आधिकारिक तौर पर एक अनाम बॉलीवुड सीरीज की घोषणा कर दी।इस वेब सीरीज से आर्यन खान निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर इस शो के रिलीज को लेकर जानकारी साझा की गई है। पोस्ट में बताया गया है कि यह सीरीज 2025 में रिलीज होगी और यह सिर्फ नेटफ्लिक्स पर ही उपलब्ध होगी। पोस्ट में लिखा है, साल 2025 में नेटफ्लिक्स और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट एक अनोखी बॉलीवुड सीरीज के लिए एक साथ आ रहे हैं, जिसका निर्माण गौरी खान करेंगी और निर्देशन आर्यन खान करेंगे।

शाहरूख खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर मंगलवार को लिखा, यह एक खास दिन है, क्योंकि दर्शकों के लिए एक नई कहानी पेश की जा रही है। आज का दिन और भी ज्यादा खास इसलिए है, क्योंकि रेड चिलीज और आर्यन खान नेटफ्लिक्स पर अपनी नई सीरीज को दिखाने के लिए अपनी यात्रा पर निकल पड़े हैं।

आगे बढ़ो और लोगों का मनोरंजन करो आर्यन... और याद रखो, शो बिजनेस जैसा कोई बिजनेस नहीं है!नेटफ्लिक्स के साथ हम इस नई सीरीज को पेश करने के लिए उत्साहित हैं, जो ग्लैमर से भरी सिनेमाई दुनिया में एक ताजा नजरिया पेश करती नजर आएगी। एक बाहरी व्यक्ति के रूप में सफल होने के लिए क्या करना पड़ता है इस इमें दिखाया जाएगा। यह आर्यन, के साथ कई और दिमागों और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की टीम की जीवंत की गई एक अनूठी कहानी है। यह वेब सीरीज मनोरंजन से भरपूर होने जा रही है।

# 'सफलता देख जल रहे हैं कुछ लोग' : दिलीप जोशी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता दिलीप जोशी ने आखिरकार 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के निर्माता असित मोदी के साथ अपने कथित झगड़े को लेकर चल रही अफवाहों पर सफाई दी है। दिलीप ने इन खबरों को 'पूरी तरह से झूठ' करार दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग शो की सफलता को देखकर जल रहे हैं, इन आरोपों में कोई सचाई नहीं है। अभिनेता ने कहा, मैं बस इन सभी अफवाहों के बारे में स्पष्ट करना चाहता हूं। मेरे और असित भाई को लेकर कुछ ऐसी बातें सामने आई हैं, जो पूरी तरह से झूठी हैं और ऐसी बातें सुनकर मुझे वाकई दुख होता है। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' एक ऐसा शो है, जो मेरे और लाखों प्रशंसकों के लिए बहुत मायने रखता है और जब लोग बेबुनियाद अफवाहें फैलाते हैं, तो इससे न केवल हमें, बल्कि हमारे दर्शकों को भी दुख होता है।

जोशी ने कहा, यह देखकर बहुत दुख होता है कि इतने सालों से लोगों को खुशी देने वाले शो के बारे में ऐसी नकारात्मक खबर फैलाई जा रही है। हर बार जब ऐसी अफवाहें सामने आती हैं, तो हम यही समझते हैं कि यह झूठ है। ऐसी खबर या अफवाहें निराश कर देती हैं। यह वास्तव में केवल हमारे बारे में नहीं, बल्कि उन सभी फैंस के बारे में है, जो शो को पसंद करते हैं और ऐसी बातें सुनकर दुखी हो जाते हैं। अभिनेता ने आगे कहा, इससे पहले मेरे शो छोड़ने की भी अफवाहें उड़ी थीं, जो पूरी तरह से झूठ है और अब ऐसा लगता है कि असित भाई और शो को किसी तरह से बदनाम करने की कोशिश में एक और नई कहानी फिर से सामने आएगी। ऐसी बातें जब-जब सामने आती हैं, तो दुख होता है। मैं यह सोचने से खुद को रोक नहीं पाता कि क्या कुछ लोग शो की बड़ी सफलता से जल रहे हैं? मुझे नहीं पता कि इन कहानियों को फैलाने के पीछे कौन है, लेकिन मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं शो में हूं और प्यार और जुनून के साथ काम कर रहा हूं। मैं लंबे समय से इस अद्भुत यात्रा का हिस्सा रहा हूं और मैं हमेशा इसका हिस्सा बना रहूंगा। लोकप्रिय कॉमेडी टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जेठालाल की भूमिका निभाने वाले दिलीप ने कहा, हम सभी इस शो को बेस्ट बनाने में जुटे हुए हैं और इसके लिए एक साथ खड़े हैं। मैं बस यही चाहता हूं कि मीडिया ऐसी आहत करने वाली खबरों को छापने से पहले तथ्यों की जांच कर ले। इसके साथ ही उन्होंने समर्थन करने के लिए फैंस का आभार भी जताया। हाल ही में आई कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, असित के साथ दिलीप की बहस हो गई थी और बात इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर उन्होंने मोदी का कॉलर पकड़ लिया और शो छोड़ने की धमकी दी। हालांकि, ऐसी खबरें भी आईं कि असित ने उन्हें शांत कयिा और दोनों के बीच का विवाद निपट गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

/dakshinbharat /dakshinbharat

DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

# ‘वरिष्ठ जन हमारे मार्गदर्शक, उनका अनुभव अमूल्य है’

## माहेश्वरी सभा की विशेष बैठक और उत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा गुरुवार को विशेष बैठक और उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चेटपेट स्थित एक होटल में कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद सभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक जे मूंधड़ा ने सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ सम्मान उत्सव की सफलता के पीछे आपकी मेहनत और योगदान है।

डॉ. मूंधड़ा ने कहा कि वरिष्ठ जन का सम्मान केवल उनकी आयु के कारण नहीं, बल्कि उनके अनुभव, ज्ञान और समाज के प्रति योगदान के कारण किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि वरिष्ठ जन हमारे समाज के मार्गदर्शक होते हैं, जो जीवन की सीखों से युवा पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। उनका अनुभव हमारे लिए अमूल्य है। उनके सम्मान से समाज में शांति और एकता बनी रहती हैं।

सभा सचिव संजय मूंधड़ा ने बताया कि डॉ. अशोक मूंधड़ा ने कार्यकारिणी सभा में चर्चा की और क्रियान्वित करने के लिए अपील की थी। यह समाज के वरिष्ठ जन के प्रति सम्मान और कार्यकर्ताओं की समर्पण भावना को उजागर करने का अवसर बना। माहेश्वरी सभा के इस प्रयास से समाज में एकता और सामूहिक प्रयास की भावना को बल मिला है।

इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को शॉल, रामनाम लेखन पुस्तिका और तिरुपति बालाजी के तीर्थम् देकर सम्मानित किया गया। संजय मूंधड़ा ने कार्यकर्ताओं और उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में मद्रास चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी अशोक लखोटिया, माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी, अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य सत्यनारायण भूतड़ा, राजस्थान एसोसिएशन तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष मोहन लाल बजाज, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष प्रेमलता टावरी, माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष किशन झंवर, माहेश्वरी क्लब के अध्यक्ष रवींद्र डागा, माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष मदन राठी, माहेश्वरी सत्संग समिति के समन्वयक महेंद्र बिहानी, समन्वय की अध्यक्ष निकिता चांडक, गोपाल डागा, विमला दमानी, महावीर, मोहन दमानी, देवकिशन काबरा, मुकुल डागा, हरिरतन राठी, हरि मूंधड़ा, ग्वाल दास मोहता, विनोद द्वारकानी, प्रदीप माहेश्वरी, नारायण दमानी, मुकुल डागा, नरेंद्र बागड़ी, सुनील सारडा, निर्मल माहेश्वरी, श्वेता चांडक आदि गण्यमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन संजय मूंधड़ा ने किया।

# रेला अस्पताल की ओर से कांबा रामायण पर कार्यक्रम कल होगा

## तमिल व अंग्रेजी में मूल छंदों की व्याख्या के साथ होगी संगीतमय प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। रेला अस्पताल की ओर से शनिवार को कांबा रामायण पर आधारित कविता एवं गीत का कार्यक्रम टी नगर स्थित नारद गण सभा में शाम 6 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसमें वरिष्ठ लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन प्रो. मोहम्मद रेला तथा डॉ. प्रिया रामचंद्रन तमिल एवं अंग्रेजी में मूल छंदों की व्याख्या करेंगे।

कार्यक्रम में सिक्केल गुरचरण शास्त्रीय शैली में छंदों पर संगीतमय प्रस्तुति देंगे। बता दें कि प्रो. मोहम्मद रेला प्रसिद्ध सर्जन होने के साथ ही कांबा रामायण का भी अच्छा ज्ञान रखते हैं।

उन्होंने बताया कि कांबा रामायण महाकाव्य में दस हजार से ज्यादा छंद हैं, जो एक उत्कृष्ट साहित्यिक कृति है। हम इसे अंग्रेजी एवं तमिल में लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वे कांबा रामायण के गहन विचारों को सबके समक्ष प्रस्तुत करने के लिए डॉ. प्रिया रामचंद्रन तथा सिक्केल गुरु चरण के साथ सहयोग करने को लेकर उत्साहित हैं।

इस अवसर पर डॉ. प्रिया रामचंद्रन ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी श्रीरंगम आए थे तो उन्होंने सिक्केल गुरु चरण के साथ कांबा रामायण के छंदों को संगीतबद्ध करके अंग्रेजी में व्याख्या की थी। उसकी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। अब अपने उन अनुभवों को लोगों तक पहुंचाने के लिए उत्सुक हैं।

इस कार्यक्रम में प्रो. मोहम्मद रेला का जुड़ना हमारा सौभाग्य है। सिक्केल गुरुचरण ने कहा कि इस महाकाव्य के लिए हमारी एकजुटता प्रेम और श्रद्धा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि डॉ. प्रिया रामचंद्रन का कविता के बारे में ज्ञान और प्रो. मोहम्मद रेला का कांबा रामायण के प्रति गहरा लगाव एक अनूठे तालमेल को दर्शाता है।

# आरसीएमटी और मुक्ति फाउंडेशन ने लगाया कृत्रिम अंगदान शिविर

## कृत्रिम अंग पाकर खिले लाभार्थियों के चेहरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। रोटरी क्लब ऑफ मद्रास, टी नगर (आरसीएमटी) ने मुक्ति (एमएस दाढा फाउंडेशन) के सहयोग से हाल में एएम जैन कॉलेज सभागार में कृत्रिम अंगदान शिविर का आयोजन किया। इस पहल से 110 से ज्यादा लोग लाभान्वित हुए। इस शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि महावीर बोथरा, अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल, मीना ढाढा, मीता गोलेछा, राजी रत्नम, डॉ. पूर्णिमा कार्तिक, लक्ष्मी वेंकट रमणा ने किया। कार्यक्रम में लाभार्थियों को औपचारिक रूप से कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। लाभार्थियों ने गर्व और आत्मविश्वास के साथ चलते हुए तस्वीरें खिंचवाईं।

इसके साथ ही, आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सिलाई मशीनें दान की गईं। रोटेरियन नरेंद्र कुमार श्रीश्रीमाल ने बताया कि इस महत्त्वपूर्ण परियोजना पर पांच लाख से ज्यादा रुपए खर्च किए गए हैं, जिसे रोटरी क्लब ऑफ मद्रास, टी नगर और मुक्ति फाउंडेशन ने वहन किया। राशि का चेक नरेंद्र श्रीश्रीमाल ने मीना ढाढा को सौंपते हुए कहा कि यह उनकी सामाजिक कल्याण के प्रति मंशा को दर्शाता है। महावीर बोथरा ने लाभार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी सफलता की कहानियां सभी लोगों के साथ साझा करें, ताकि इस तरह की परिवर्तनकारी परियोजनाओं के बारे में जागरूकता का प्रसार हो और अधिकाधिक लोगों को लाभ मिले।

उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयास सकारात्मक जीवन के उद्देश्यों का निर्माण करते हैं और दूसरों को प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में नरेश जैन, मुकुंदन, विपिन अग्रवाल, मुरली भास्कर, वासुधा राजशेखर, शशिकन्नन, धरनी प्रकाश, संतोष सहित अनेक रोटेरियन मौजूद थे।

दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 (आईआईटीएफ) का अवलोकन करते लोग।

# व्यक्तिगत हितों के बजाय राष्ट्र को प्राथमिकता देनी चाहिए : मुनीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कहा है कि राजनीति समेत कुछ भी देश से ऊपर नहीं है और लोगों को व्यक्तिगत हितों से ऊपर राष्ट्र को प्राथमिकता देनी चाहिए। कराची में बुधवार को जारी रक्षा प्रदर्शनी का दौरा करते हुए उन्होंने कहा, लोगों को राजनीति और व्यक्तिगत हितों समेत हर चीज से ऊपर पाकिस्तान को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि डिजिटल आतंकवाद देश के लिए एक वास्तविक खतरा है और सोशल मीडिया का इस्तेमाल अराजकता फैलाने और सशस्त्र बलों के बारे में झूठ फैलाने के लिए किया जा रहा है। जनरल मुनीर ने आगाह करते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की असीमित स्वतंत्रता सभी समाजों को नैतिक मूल्यों के पतन की ओर ले जा रही है।

कराची में व्यापार जगत की हस्तियों के साथ बैठक से पहले उन्होंने कहा कि सभी को देश को हर चीज से ऊपर रखने के महत्व को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा, लोगों को व्यक्तिगत हितों से ऊपर पाकिस्तान को प्राथमिकता देनी चाहिए।

# भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के कार्यालय का उद्घाटन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/दक्षिण भारत। चेन्नई के थियानमपेट में भारतीदासन रोड इलाके में शनिवार को भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के शहर कार्यालय का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर यज्ञ भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आर्य समाज और पतंजलि योग समिति, तमिलनाडु के सदस्यों ने मंत्रोच्चारण से किया। सबका स्वागत भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, तमिलनाडु के अध्यक्ष बालसुब्रमण्यम ने किया। कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के सदस्य, योग साधक और आर्य समाज के लोग मौजूद थे। यह जानकारी प्रदेश भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के राज किशोर जैन ने दी।

# कैंसर जागरूकता अभियान के तहत टॉक शो और वॉकथॉन का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में गुरुवार को कैंसर जागरूकता अभियान के तहत टॉक शो और वॉकथॉन रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से किया गया। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। टॉक शो की मुख्य वक्ता स्पर्श हॉस्पिटल की ऑन्कोलोजिस्ट डॉ. प्रत्युषा ईगा ने कहा, 'कैंसर होने का मुख्य कारण है शरीर में असामान्य कोशिकाओं का अनियंत्रित विभाजन। विश्व में कैंसर के कारण मृत्यु अधिक हो रही हैं। भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर ज्यादा पाया जाता है।

डॉक्टर ने इसके कारण बताए और कहा कि अगर समय पर जांच और चिकित्सा मिले तो हम इससे बच सकते हैं। 40 वर्ष की उम्र के बाद कुछ वर्ष के अंतराल में मैमोग्राम को करवाना चाहिए। मोटापा कम करें, नियमित कसरत करें और सेल्फ एग्जामिनेशन करें।

इस दौरान काफी बहनों ने डॉक्टर से कैंसर के बारे में अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका सरल भाषा में समाधान किया गया। अभियान के अंतर्गत सामाजिक, शारीरिक, आध्यात्मिक और मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहीं संगीता जीरावाला, द्वितीय स्थान पर रहीं संगीता आंचलिया का सम्मान किया गया।

टाक शो के बाद मंडल ने कैंसर जागरूकता के लिए रैली निकाली। इस रैली में डॉ. प्रत्युषा ईगा ने भी भाग लिया। दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित अनासक्त भावना और स्वच्छता पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहीं चंदा गिलूंडिया व द्वितीय स्थान पर रहीं स्वाति भंडारी का सम्मान किया गया। मंत्री ज्योति संचेती, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, लता गादीया, सहमंत्री वीणा पोरवाल, प्रमिला धोका, संगठन मंत्री पवन संचेती, कोषाध्यक्ष किरण गिलुंडिया, प्रचार-प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया, पूर्व अध्यक्ष कांता लोढा, निर्मला सोलंकी, शांति सकलेचा आदि मौजूद थीं। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका का इन्दु खिवेंसरा ने किया। आभार ज्ञापन सह संयोजिका अनीता नाहर ने किया। टॉक शो और रैली में 50 बहनें उपस्थित रहीं।

# अपहरण हुआ, 26/11 हमले में बचे...हर संकट से उबरे.. अब शायद सबसे बड़ी मुश्किल में हैं अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उद्योगपति गौतम अदाणी का 1998 में डाकुओं ने फिरौती के लिए अपहरण कर लिया था और इसके लगभग 11 साल बाद 26 नवंबर, 2008 को आतंकवादियों ने मुंबई पर हमला किया, तो वह समुद्र के किनारे स्थित ताज होटल में बंधक बनाए गए लोगों में से एक थे। बचपन में ही स्कूल छोड़ने वाले गौतम अदाणी की संकटों से निपटने की क्षमता और उनके कारोबारी कौशल ने उन्हें भारत के सबसे अमीर लोगों की श्रेणी में पहुंचा दिया है। हालांकि, अब अदाणी को संभवत: अपने जीवन के सबसे बड़े संकट का सामना करना पड़ रहा है। बंदरगाह से लेकर ऊर्जा तक के क्षेत्र में कार्यरत अदाणी समूह के 62 वर्षीय संस्थापक पर अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए दो अलग-अलग मामलों में रिश्वतखोरी और प्रतिभूति धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगे हैं।

इस तरह के आरोपों का सामना करने वाले वह शायद पहले बड़े भारतीय कारोबारी होंगे। अमेरिकी अभियोजकों ने उनपर और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य लोगों पर सौर ऊर्जा अनुबंधों की अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने की योजना का हिस्सा होने का आरोप लगाया है, जिससे उनके समूह को दो अरब डॉलर का मुनाफा कमाने में मदद मिल सकती थी। अदाणी की सूचीबद्ध कंपनियों के बृहस्पतिवार को 26 अरब डॉलर डूब गए, जो बाजार मूल्य के हिसाब से एक दिन का सबसे बड़ा नुकसान है। यह नुकसान अमेरिका की शोध-निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के बाद हुए नुकसान का लगभग दोगुना है।

हालांकि, समूह ने आरोपों को नकारते हुए इन्हें निराधार बताया है। आरोपों के कारण उनकी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं पर रोक लग सकती है। पूछताछ के जोखिम का मतलब यह हो सकता है कि वह अमेरिका और कुछ अन्य पश्चिमी गंतव्यों की यात्रा न करने का विकल्प चुन सकते हैं। उनकी व्यक्तिगत स्थिति से अधिक, दांव पर उस साम्राज्य की प्रतिष्ठा है जिसे प्रथम पीढ़ी के उद्यमी ने साढ़े तीन दशक में खड़ा किया है। गौतम अदाणी का जन्म गुजरात के अहमदाबाद में एक जैन परिवार में हुआ था। वह कपड़ा कारोबारी शांतिलाल अदाणी और शांता अदाणी की आठ संतानों में से सातवें हैं। स्कूल छोड़ने के बाद अदाणी 16 साल की उम्र में मुंबई चले गए, जहां उन्होंने कुछ समय तक रत्न कारोबार में हीरा छांटने का काम किया। वह 1981 में अपने बड़े भाई महासुखभाई की मदद करने के लिए गुजरात लौट आए, जिन्होंने अहमदाबाद में परिवार द्वारा खरीदी गई एक छोटी-सी पीवीसी फिल्म फैक्टरी चलाई। साल 1988 में उन्होंने अदाणी एक्सपोर्ट्स के नाम से एक जिंस कारोबारी उद्यम स्थापित किया और 1994 में इसे शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराया। अब इस फर्म का नाम अदाणी एंटरप्राइजेज है। एक जनवरी, 1998 को अदाणी और उनके सहयोगी शांतिलाल पटेल को अहमदाबाद में कर्णावती क्लब से कार से निकलने के बाद बंदूक की नोक पर अगवा कर लिया गया। उन्हें कथित तौर पर गैंगस्टर फजलू रहमान और भोगीलाल दर्जी उर्फ मामा (जिन्हें बाद में सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया) ने 15-20 लाख डॉलर की फिरौती के लिए पकड़ा था। दोनों को अगले दिन छोड़ दिया गया। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया कि फिरौती दी गई या नहीं। गौतम अदाणी 26 नवंबर, 2008 को दुबई पोर्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मोहम्मद शराफ के साथ मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल में भोजन कर रहे थे। बिलों का भुगतान करने के बाद जब वह बाहर निकलने वाले थे, तो कुछ सहयोगियों ने कॉफी पर दूसरी बार बैठक के लिए बुलाया। तभी आतंकवादियों ने होटल पर हमला कर दिया। इस हमले में लगभग 160 लोग मारे गए थे। अदाणी को अन्य मेहमानों के साथ पहले होटल के रसोईघर में तथा फिर कर्मचारियों द्वारा भूमिगत तल में ले जाया गया। बाद में उन्होंने कहा था कि यदि वह रात्रिभोज का बिल चुकाने के बाद बाहर निकल जाते तो वह भी हमले में फंस जाते। अदाणी ने रात भूमिगत तल में और फिर एक हॉल में बिताई, उसके बाद अगली सुबह ‘कमांडो’ ने उन्हें बचाया। अदाणी ने 27 नवंबर को अपने निजी विमान से अहमदाबाद हवाई अड्डे पर उतरने के बाद कहा था, मैंने मौत को सिर्फ 15 फुट की दूरी पर देखा।

शोध-निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने जनवरी, 2023 में एक रिपोर्ट जारी कर आरोप लगाया कि अदाणी समूह ‘दशकों से शेयर बाजार में हेरफेर और लेखांकन धोखाधड़ी योजना में शामिल रहा है।’ हिंडनबर्ग रिसर्च ने इलेक्ट्रिक-वाहन विनिर्माता निकोला और लॉर्डस्टाउन मोटर्स को बंद करवा कर दुनियाभर का ध्यान आकर्षित किया था। अदाणी ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया और अदाणी एंटरप्राइजेज में मेगा शेयर बिक्री को विफल करने के ‘लापरवाह’ प्रयास के लिए हिंडनबर्ग पर मुकदमा करने की धमकी दी। हालिया आरोप उनकी सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.